RNI NO. UPHIN/2012/46248

गाजियाबाद से प्रकाशित

सुविचार

'मन की शांति से बढ़कर इस संसार में कोई भी संपति नहीं है..!'

अभी वार्ता

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

● वर्ष 10 ● अंक 33 ● बुधवार 28 फरवरी 2024 ● पृष्ठ : 06 ● पेज मूल्य : 3 रुपए

नाराज कांग्रेस विधायकों को मनाएंगे डीके शिवकुमार और भूपेंद्र हुड्डा

शिमला। राज्यसभा की एक सीट के लिए मंगलवार को विधानसभा परिसर में हुए मतदान का नतीजा घोषित हो गया है। सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी को हराकर भाजपा के हर्ष महाजन ने राज्यसभा चुनाव जीत लिया है। दोनों दलों के प्रत्याशियों को 34-34 वोट मिले थे। इसके बाद पर्ची से फैसला हुआ जिसमें भाजपा ने बाजी मारी।

नाराज विधायकों को मनाएंगे डीके शिवकुमार, भूपेंद्र हुड्डा

कांग्रेस हाईकमान ने प्रदेश में पार्टी से नाराज चल रहे विधायकों को मनाने का जिम्मा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को सौंपा है। ये दोनों नेता बुधवार सुबह शिमला पहुंचकर नाराज विधायकों से बैठक करेंगे।

सुधीर शर्मा ने हर्ष महाजन को दी बधाई, सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट

हिमाचल राज्यसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी हर्ष महाजन के विजयी होने पर कांग्रेस विधायक सुधीर शर्मा ने उन्हें दी है।

वहीं, निर्वाचित राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन बुधवार को दिल्ली जाएंगे। इस दौरान वह गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल भी उनके साथ दिल्ली जा रहे हैं।

हर्ष महाजन आज तक कोई भी चुनाव नहीं हारे

हर्ष महाजन आज तक कोई भी चुनाव नहीं हारे हैं। वर्तमान में महाजन भाजपा कोर ग्रुप के सदस्य हैं। हर्ष महाजन पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह के करीबियों में से एक थे और उनके प्रमुख रणनीतिकार माने जाते थे। हर्ष तीन बार चंबा विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहे। वीरभद्र सरकार में पशुपालन मंत्री भी रहे। वह राज्य सहकारी बैंक के चेयरमैन भी रह चुके हैं।

भाजपा-कांग्रेस के प्रत्याशी को मिले 34-34, पर्ची से हुआ फैसला

हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा की एक सीट के लिए मंगलवार को विधानसभा परिसर में हुए मतदान का नतीजा घोषित हो गया है।

सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के प्रत्याशी अभिषेक मनु सिंघवी को हराकर भाजपा के हर्ष महाजन ने राज्यसभा चुनाव जीत कर इतिहास रच दिया है। दोनों दलों के प्रत्याशियों को 34-34 वोट मिले थे। इसके बाद पर्ची से फैसला हुआ जिसमें भाजपा ने बाजी मारी। कांग्रेस विधायकों की ओर से क्रॉस वोटिंग के चलते भाजपा जीत के करीब पहुंची।

सीएम सुक्खू बोले- विपक्ष की ओर से गुंडागर्दी करने की कोशिश की जा रही

सीएम सुक्खू ने बाहर आकर मीडिया से कहा कि विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर बार-बार काउंटिंग स्थान पर आकर धमका रहे हैं। कह रहे हैं कि सुदर्शन बबलू को वोट क्यों डालने दिया। अगर वोट नहीं डालने देंगे तो कैसे चुनाव होगा। विपक्ष की ओर से गुंडागर्दी करने की कोशिश की जा रही है।

पूर्व सांसद जयाप्रदा फरार घोषित, अब कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर होगी कुर्की, सीओ करेंगे तलाश

रामपुर। रामपुर की पूर्व सांसद जयाप्रदा को कोर्ट ने फिर से बड़ा झटका दिया है। आचार संहिता उल्लंघन के दो मामलों में फरार घोषित करते हुए उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। अब गिरफ्तारी के लिए सीओ के नेतृत्व में टीम गठित की जाएगी। टीम को छह मार्च को पूर्व सांसद को कोर्ट में पेश करना होगा।

2019 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान पूर्व सांसद जयाप्रदा के खिलाफ केमरी और स्वार थाने में आचार संहिता के उल्लंघन के दो मामले दर्ज किए गए थे। इनमें विवेचना के बाद पुलिस ने चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। स्वार में दर्ज एक मामले में गवाही पूरी हो चुकी है, जबकि केमरी के मामले गवाही होना शेष है।

इस मामले में जयाप्रदा के बयान दर्ज होने थे लेकिन पूर्व सांसद जयाप्रदा 16 अक्तूबर 2023 से कोर्ट में हाजिर नहीं हो रही हैं। इसके बाद कोर्ट की ओर से सात बार गैर जमानती वारंट जारी किए। एसपी को भी पत्र लिखकर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा था।

कोर्ट ने जमानतियों के खिलाफ भी पत्रावली खोली थी लेकिन पूर्व सांसद कोर्ट में हाजिर नहीं हुई। मंगलवार को एमपीएमएलए मजिस्ट्रेट ट्रायल कोर्ट ने पूर्व सांसद जयाप्रदा को कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर उनको फरार घोषित कर दिया है।

साथ ही उनके खिलाफ फिर से गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने एसपी को पत्र लिखकर आदेश दिया है कि पूर्व सांसद की गिरफ्तारी के लिए सीओ स्तर के अफसर के नेतृत्व में टीम बनाकर छह मार्च को कोर्ट में पेश करें।

वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी अमरनाथ तिवारी ने बताया कि कोर्ट ने पूर्व सांसद जयाप्रदा को फरार घोषित कर दिया है।

लंबे इंतजार के बाद ढउर मुख्य परीक्षा का रिजल्ट जारी, अभ्यर्थी यहां देखें पूरी सूची

देहरादून। उत्तराखंड लोक सेवा आयोग की पीसीएस मुख्य परीक्षा का रिजल्ट मंगलवार को लंबे इंतजार के बाद जारी हो गया। आयोग ने यह परीक्षा पिछले साल 23 फरवरी से 26 फरवरी के बीच कराई थी। तब से लगातार अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा परिणाम जारी करने की मांग कर रहे थे। अब एक साल के बाद परीक्षा परिणाम घोषित किया गया है। अब आयोग साक्षात्कार कराएगा।उसके बाद पीसीएस परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी होगा।

आचार संहिता लगने से पहले लागू होगा सीएए, तीन मुल्कों के छह प्रवासी समुदायों को मिलेगी भारत की नागरिकता

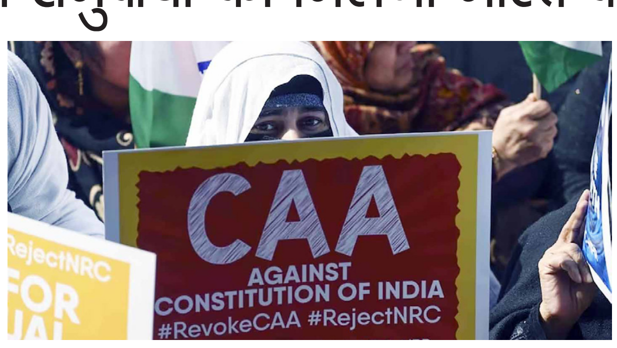

नई दिल्ली। देश में 'नागरिकता संशोधन अधिनियम' (सीएए) के नियम जल्द लागू होने जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इसके लिए तमाम औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, अब सीएए नियम लागू होने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। संभव है कि अगले सप्ताह 'नागरिकता संशोधन अधिनियम' के नियम लागू हो जाएंगे। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने से पहले तीन मुल्कों के छह गैर मुस्लिम प्रवासी समुदायों के लोगों को भारत की नागरिकता मिलने की राह प्रशस्त हो जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, सीएए नियमों को लागू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया गया है। लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले देश में 'सीएए' के नियम लागू हो जाएंगे। पिछले माह केंद्रीय गृह मंत्रालय को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के नियमों को तैयार करने के लिए लोकसभा में अधीनस्थ कानून पर संसदीय समिति की तरफ से एक और विस्तार मिला था। पहले के सेवा विस्तार की अवधि 9 जनवरी को खत्म हो गई थी। सीएए के नियम तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय को सातवीं बार विस्तार प्रदान किया गया था।

इससे पहले राज्यसभा से भी गृह मंत्रालय को उक्त विषय पर नियम बनाने व लागू कराने के लिए 6 महीने का विस्तार मिला था।

सीएए नियमों के तहत ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन मांगे जाएंगे।

गृह मंत्रालय ने जमात-ए-इस्लामी संगठन पर पांच साल के लिए बढ़ाया प्रतिबंध, 2019 में पहली बार लगा था बैन

जम्मू। गृह मंत्रालय ने अगले पांच वर्षों के लिए जम्मू कश्मीर के संगठन जमात-ए-इस्लामी पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी अपने एक्स अकाउंट पर जानकारी साझा करते हुए इसकी पुष्टि की है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा है 'आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सरकार ने जमात-ए-इस्लाम पर प्रतिबंध पांच साल के लिए बढ़ा दिया है'।

साथ ही कहा है कि संगठन को राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ अपनी गतिविधियां जारी रखते हुए पाया गया है। संगठन को पहली बार 28 फरवरी 2019 को गैरकानूनी घोषित किया गया था।

केजरीवाल का कटाक्ष- लोकसभा चुनाव में बीजेपी 270 सीटें भी जीत ले तो बड़ी बात, ठीक नहीं भक्ति का दिखावा

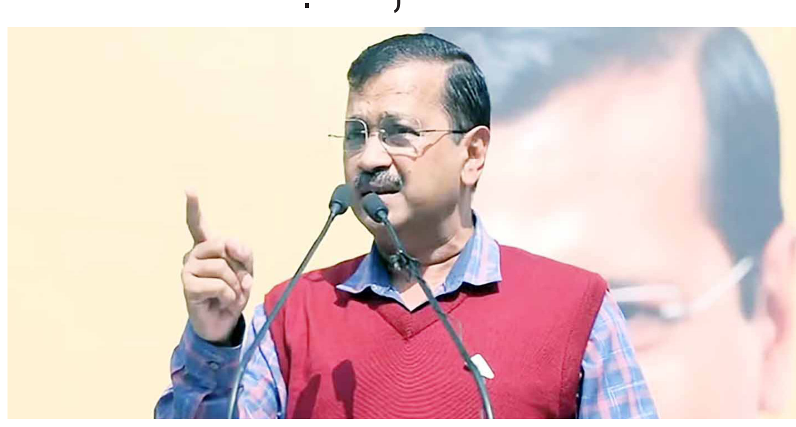

दिल्ली-एनसीआर। आप संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीटें जीतने के भाजपा नेताओं के दावों पर कटाक्ष किया। केजरीवाल ने महंगाई, बेरोजगारी और पेट्रोल की ऊंची कीमतों का आरोप लगाते हुए कहा कि यह बहुत बड़ी बात होगी अगर वे 370 तो क्या, 270 सीटें भी पार कर जाएं।

केजरीवाल ने इंडिया ब्लॉक पार्टनर कांग्रेस द्वारा 'विलंबित गतिविधियों' पर भी असंतोष व्यक्त किया और कहा कि अगर समय पर पहल की गई होती तो परिणाम बेहतर होते।

हालांकि केजरीवाल ने कांग्रेस के साथ सीट-बंटवारे समझौते पर संतोष व्यक्त किया।

केजरीवाल ने नरम हिंदुत्व अपनाने के आरोप का पर कहा कि राम मंदिर आस्था का मामला है और उन्होंने मैं अपने परिवार के साथ मंदिर गया था। उन्होंने कहा हर किसी की इसमें आस्था है लेकिन भगवान राम के नाम पर वोट नहीं मांगा जाना चाहिए। मैं अपने परिवार के साथ राम मंदिर गया था लेकिन मैंने इसके बारे में ढिंढोरा नहीं पीटा। आपकी भक्ति का प्रदर्शन उचित नहीं है।

खनौरी बॉर्डर पर एक और किसान की मौत, अब तक छह गंवा चुके हैं जान

चंडीगढ़। खनौरी बार्डर पर चल रहे आंदोलन में एक और किसान की मौत हो गई है। मृतक किसान की पहचान करनैल सिंह (62) के तौर पर हुई है। करनैल सिंह भारतीय किसान यूनियन क्रांतिकारी की अरनो खुर्द तहसील पातड़ां इकाई के महासचिव थे। वह 13 फरवरी से ही खनौरी बॉर्डर पर डटे थे।

किसान नेता कुलवंत सिंह शेरगढ़ ने बताया कि सोमवार को करनैल सिंह को सांस लेने में तकलीफ हुई। उन्होंने छाती में दर्द की भी शिकायत की। इसके बाद उन्हें पातड़ां के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया गया।

जहां से उन्हें बाद में पटियाला के सरकारी राजिंदरा अस्पताल रेफर किया गया। हालांकि सोमवार रात को डॉक्टरों ने उनकी हालत में सुधार की बात कही थी लेकिन मंगलवार तड़के करीब तीन बजे किसान करनैल सिंह को दोबारा सांस लेने में तकलीफ हुई। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। गौरतलब है कि किसानी आंदोलन में अब तक छह किसानों की मौत हो गई है। इसमें 21 साल के शुभकरण भी शामिल हैं।

राजिंदरा अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. एचएस रेखी ने बताया कि मौत के कारणों का पता करने के लिए पोस्टमार्टम किया जाएगा।

किसानी आंदोलन में दिल के दौरे पड़ने से बठिंडा के दर्शन सिंह, पटियाला के किसान मनजीत सिंह व गुरदासपुर के ज्ञान सिंह की मौत हो चुकी है जबकि फिरोजपुर के गुरजंट सिंह सड़क हादसे में जान गंवा चुके हैं।

'संकीर्ण सियासी लाभ के लिए विपक्ष ने किया उत्तर-दक्षिण विभाजन'; रक्षा मंत्री ने लगाए गंभीर आरोप

विशाखापत्तनम। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्षी दलों की राजनति को कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि संकीर्ण सियासी फायदा पाने की नीयत से विपक्षी दलों ने ऐसे समीकरण सामने रखे, जिससे उत्तर और दक्षिण की जनता के बीच स्पष्ट विभाजन किया जा सके। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल उत्तर भारत में केंद्रीय राजनीतिक दल नहीं है, लेकिन बदनाम करने का हरसंभव प्रयास किया गया। विपक्ष की कवायद का आलम ऐसा रहा कि राष्ट्रीय अखंडता पर भी सवाल खड़े किए गए।

आंध्र प्रदेश के तटीय शहर विशाखापत्तनम में एक कार्यक्रम के दौरान राजनाथ ने कहा कि भाजपा दक्षिणी राज्य कर्नाटक सहित देश के विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा केवल उत्तर भारत में सीमित है, या देश के एक खास भौगोलिक भाग का हिस्सा है, ऐसा कहना तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है।

भाजपा के सभी उम्मीदवार जीते, आठ विधायकों ने की क्रॉस वोटिंग, सपा के हिस्से आईं दो सीटें

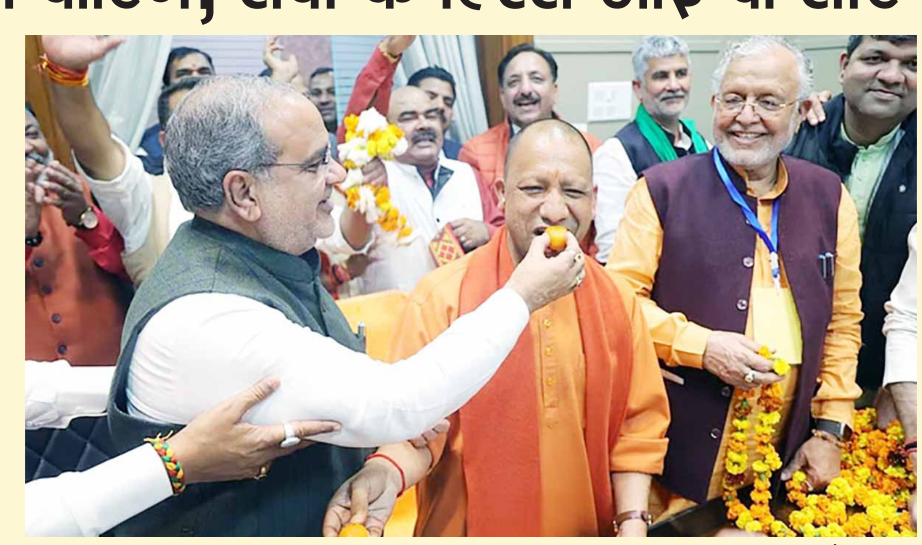

लखनऊ। राज्यसभा में उत्तर प्रदेश की दस सीटों के लिए हुए चुनाव में मंगलवार को सपा के सात और सुभासपा के एक विधायक की क्रास वोटिंग के बीच भाजपा ने आठ और सपा ने दो सीटें जीतीं। कांग्रेस के समर्थन के बावजूद समाजवादी पार्टी के तीसरे प्रत्याशी और पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन चुनाव हार गए। भाजपा के आरपीएन सिंह, अमर पाल मौर्य, तेजवीर सिंह, नवीन जैन, साधना सिंह, डॉ. सुधांशु त्रिवेदी व डॉ. संगीता बलवंत सिंह और सपा की जया अमिताभ बच्चन और रामजी लाल सुमन राज्यसभा पहुंच गए।

लोकसभा चुनाव की अधिसूचना घोषित होने से चंद दिन पहले भाजपा ने प्रदेश में सपा को झटका देकर न केवल एक अतिरिक्त सीट हासिल कर ली, बल्कि सात विधायकों को भी अपने पाले में शामिल कर लिया। राज्यसभा चुनाव के लिए मंगलवार को सुबह 9 बजे से मतदान का सिलसिला शुरू हुआ। 399 विधायकों को मतदान करना था, लेकिन सपा के दो और सुभासपा का एक विधायक जेल में होने के कारण वोट नहीं कर पाईं। जबकि, सपा की एक विधायक महराजी देवी मतदान करने नहीं आईं। मतदान करने वाले 395 विधायकों में से सपा के विधायक शहजिल इस्लाम का मत खारिज हो गया। वैध मतों के आधार पर मतगणना की गई। भाजपा के प्रत्याशियों को प्रथम वरीयता के 294 और सपा प्रत्याशियों को 100 मत मिले।

नेहरू युवा केंद्र गाजियाबाद की सांस्कृतिक टीम ने लखनऊ में आयोजित राज्य स्तरीय युवा उत्सव में प्राप्त किया तृतीय स्थान

गाजियाबाद। नेहरू युवा केंद्र संगठन लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय लखनऊ में 25 तथा 26 फरवरी को राज्य स्तरीय युवा उत्सव 2024 का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में पांच विभिन्न विधाएं जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण प्रतियोगिता, कविता लेखन, फोटोग्राफी तथा चित्रकला प्रतियोगिताओं के साथ- साथ मेरा भारत विकसित भारत @ 2047 पर एक अन्य भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

राज्य स्तर पर उन्हें टीमों को भाग लेने का अवसर दिया गया जिन्होंने अपने अपने जिले के नेहरू युवा केंद्रों द्वारा आयोजित युवा उत्सव में भाग लिया था तथा युवा उत्सवों में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया था ' इस प्रकार सभी जिलों से प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में से गाजियाबाद की सांस्कृतिक टीम ने सांस्कृतिक विधा में तृतीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया।

मुल्तानीमल मोदी पीजी कॉलेज मोदीनगर ने सांस्कृतिक कार्यक्रम मे मुरादनगर की टीम ने आर्मी थीम पर अपनी प्रस्तुति दी जिसमे शिवांकी राठी के नेतृत्त्व मे अनुष्का, मानसी, आंचल, मानसी, जानवी, कार्तिक, भूपसिंह, तालिब ने सहभागिता की ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद की बैठक सम्पन्न

08 आर0ओ0 सेन्टरों, सर्विस सेन्टरों एवं आर0ओ0 प्लान्ट पर 02-02 लाख रुपए का लगाया जुर्माना

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन, गाजियाबाद में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद की बैठक आहुत हुई।

बैठक में पोर्टल पर नोटीफाइड क्षेत्र के एन०ओ०सी० पंजीकरण हेतु 27 कूप पंजीकरण आवेदन, एवं एन०ओ०सी० नवीनीकरण श्रेणी के 03 आवेदनों सहित कुल 30 आवेदनों पर विचार किया गया, जिनमें से 20 आवेदन स्वीकृत एवं 10 आवेदनों पर अस्वीकृत की कार्यवाही की गयी।

बैठक में अवैध रूप से भूजल दोहन करने वाली कम्पनियों एवं 08 आर०ओ० सेन्टर खोड़ा एवं लोनी के सर्विस सेन्टरों एवं आर०ओ० प्लान्ट पर 02-02 लाख रुपए जुमार्ना लगाने एवं बोरवेल सील्ड करने के आदेश दिये गये एवं शर्तों का अनुपालन न करने वाली कम्पनियों पर कार्यवाही करने के निर्देश प्राप्त हुये।

साथ ही बिना अनुमति अवैध रूप से भूजल दोहन करने वाली कम्पनियों / संस्था /फर्म को सीज किया जाये एवं नियमानुसार दण्ड की कार्यवाही की जाये।

बैठक में अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी, गाजियाबाद, हरिओम, अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई, गाजियाबाद/नोडल अधिकारी, ग्रा०वा०पोर्टल, नाथ पासवान, उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, गाजियाबाद, भारत भूषन, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, गाजियाबाद, विकास मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, उ०प्र०प्र०नि०बो०, गाजियाबाद, कुंवर सन्तोष कुमार, सहायक पर्यावरण अधिकारी, गाजियाबाद, मती अंकिता राय, हाइड्रोलाजिस्ट, उत्तर प्रदेश भूगर्भ जल विभाग, संजय कुमार, उपक्षेत्रीय वनाधिकारी, वन विभाग, कु० निधि सिंह, जिला उद्यान अधिकारी, गाजियाबाद, के०के मिश्रा, ई०ओ०, एनपीपी, खोड़ा और लोनी नवनीत गुप्ता, जूनियर इन्जीनियर, जल, एनपीपी खोड़ा और लोनी, आकाश वशिष्ठ, नामित सदस्य द्वारा प्रतिभाग लिया गया।

माहौल बिगाड़ने की कोशिश, धार्मिक स्थल पर जूते पहनकर घुसे दो युवक; मुकदमा दर्ज

दिल्ली-एनसीआर। टीला मोड़ थाना क्षेत्र की मदीना मस्जिद में दो युवक जूते पहनकर घुस गए। मस्जिद की देखरेख से जुड़े व्यक्ति ने दोनों को हिंदू रक्षादल का पदाधिकारी होना बताया है। धार्मिक टिप्पणी करने और माहौल बिगाड़ने, धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस ने दोनों युवकों को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी।

मुकदमा दर्ज कराने वाले शहवाज ने बताया कि सोमवार रात 12 बजे अन्नू और दक्ष मस्जिद में घुस आए थे। धार्मिक टिप्पणी करते हुए धक्कामुक्की की और नवाज नहीं पढ़ने देने की चेतावनी दी। समझाने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी है। आरोपियों ने मस्जिद की छत पर जाते समय रोकने का प्रयास करने पर धक्का मुक्की की। अभद्रता करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

वहीं टीला मोड़ थाना प्रभारी की पूछताछ में सामने दोनों युवकों ने बताया है कि शोर सुनकर दोनों अंदर गए थे। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि ट्वीट के माध्यम से सूचना मिली। सोमवार देर रात गरिमा गार्डन कि मदीना मस्जिद में गैर समुदाय के दो युवक जूते पहनकर घुस गए।

मामले को गंभीरता से लिया गया। जांच में मामला सही पाया गया है। पुलिस टीम ने अन्नू चौधरी और दक्ष चौधरी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों को आईपीसी की 151ए, 295, 295ए, 323, 504 व 506 धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह को मातृ शोक

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद के जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह की माता मती प्रेम लता (74) का लम्बी बीमारी के चलते निधन हो गया।

ज्ञात रहें कि मती प्रेम लता एक लंबे समय से गुर्दा रोग से पीड़ित थी, उनका इलाज पूर्व में गाजियाबाद के एक अस्पताल में चल रहा था और उसके उपरांत कुछ हफ्तों से वह प्रयागराज के हॉस्पिटल में भर्ती रही। उन्होंने मंगलवार की दोपहर अपनी अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह के पैतृक जनपद जौनपुर में बुधवार सुबह किया जाएगा। उनके निधन का समाचार सुनते ही सिंह के आवास पर परिवारजनों को सांत्वना के लिए परिवारजनों, रिश्तेदारों सहित अधिकारी व पत्रकारों का तांता लग गया।

सार सुर्खियां

आठ शख्सियतों को मिला खेल रत्न सम्मान, खिलाड़ी भी किए गए सम्मानित

अलीगढ़। अलीगढ़ की कृष्णांजलि नाट्यशाला पर खेल के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले आठ लोगों को खेल रत्न सम्मान से नवाजा गया। खेल रत्न से सम्मानित जनों की मेयर प्रशांत सिंघल व एडीए वीसी अतुल वत्स ने तारीफ की। साथ ही उन्होंने अमर उजाला की इस पहल की सराहना भी की।

मंच पर हुए खेल रत्न सम्मान समारोह में अलग-अलग खेलों और खिलाड़ियों को बढ़ावा दे रहे विवेक बंसल (कई खेलों से जुड़ाव-प्रोत्साहन), इंजी. फसाहत अली (क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रोत्साहन), गीतांजलि शर्मा (दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहन), सुमित सराफ (क्रिकेट-कबड्डी को प्रोत्साहन), संजय माहेश्वरी (क्रिकेट-कबड्डी को प्रोत्साहन), मनोज शर्मा (मल्लखंभ को प्रोत्साहन), जिला क्रीड़ा अधिकारी राममिलन (खेलों और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन), मजहर उल कमर (खेलों को प्रोत्साहन) को मेयर प्रशांत सिंघल व एडीए वीसी अतुल वत्स ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट कर पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया।

अमर उजाला के स्थानीय संपादक कुमार अतुल ने अतिथियों का स्वागत और आभार जताया। संचालन मंडलीय ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव मजहर उल कमर ने किया। मेयर प्रशांत सिंघल व एडीए वीसी अतुल वत्स ने अमर उजाला नुमाइश शिविर में महिला सम्मान कार्यक्रम कराने पर पंकज धीरज, शिविर में टेंट के सामान मुहैया कराने पर सौरभ कुमार, शिविर में होने वाले कार्यक्रम में सहयोग करने पर दिवाकर राघव को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंट कर और उनको पटका ओढ़ाकर सम्मानित किया।

बाजना चेयरमैन के बेटे को पीटा, हाथ टूटा, 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अलीगढ़। अलीगढ़ टप्पल थाना क्षेत्र के गांव हजियापुर डेयरी मोड़ पर 27 फरवरी की दोपहर बाजना (मथुरा) के चेयरमैन सुभाष चौधरी के बेटे को कुछ लोगों ने पीटकर घायल कर दिया। उसका बांया हाथ टूट गया है, और शरीर में कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। टप्पल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से घायल को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। बाजना चेयरमैन ने टप्पल थाने में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मथुरा जिले के बाजना चेयरमैन सुभाष चौधरी के अनुसार उनका बेटा अंकित चौधरी अलीगढ़ से कल्यानपुर स्थित अपने ईंट भट्ठे पर जा रहा था। भूख लगने पर कुछ खाने के लिए हजियापुर डेयरी पर रुक गया। वहां पर कुछ लोगों ने डंडों से हमलाकर अंकित को पीटा। आसपास खड़े लोगों ने बचाया जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी भाग गए।

बाजना चेयरमैन ने हजियापुर निवासी नरेंद्र उर्फ नंदू पुत्र अनोखे सिंह, रोशन पुत्र रामकुमार सिंह, अन्नू पुत्र मनोज, तनुज पुत्र महेश, कीलपुर निवासी रवि, रोहित सहित चार अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। टप्पल थानाध्यक्ष सत्यवीर सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है। आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में भी कारसेवा करने का आ गया समय, राम को काल्पनिक बताने वाले कहीं के नहीं रहे

अलीगढ़। अलीगढ़ के चंडौस में हिंदू रक्षा सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अयोध्या स्थित हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने 27 फरवरी को यहां कहा कि अयोध्या के बाद अब मथुरा में भी कारसेवा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि जो लोग भगवान राम को काल्पनिक बताते हैं। सनातन के बारे में बुरा सोचते हैं, आज उनका पूरी तरह सर्वनाश हो चुका है।

वे कहीं के नहीं रहे।

कस्बे में संगठन कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महंत राजू दास ने कहा कि रामभक्तों पर गोली चलाने वाले अब कहीं के नहीं रहे।

कहा कि सनातनी किसी की गर्दन काटने की बात नहीं करते। हम सनातनी सर्व धर्म सुखनाम की बात करते हैं। सनातन की खातिर सभी सनातनी, चाहे वे किसी भी जाति के हो सभी एक मंच पर आएं और राष्ट्रहित के हित में कार्य करें। उन्होंने कस्बावासियों को अयोध्या आने का न्यौता भी दिया।

उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में वर्दी वाले को देखकर अपराधी कांपने लगते हैं। आज जेलों में भी एनकाउंटर होने में देर नहीं लगती है।

पहले प्रदेश में शाम छह बजे के बाद बहन-बेटियां घर से बाहर निकलने में घबराती थीं। आज सनातनियों व रामभक्तों की सरकार है, तो अपराधी जान की भीख मांगते हैं। कस्बे में कार्यकताओं ने फूलमालाओं और बैंड-बाजों के साथ उनका स्वागत किया।

स्कूटी पर लदी 100 किलो पॉलीथिन जब्त, कार्रवाई पर नगर निगम कर्मियों से हुई नोंक-झोंक

अलीगढ़। अलीगढ़ नगर निगम के प्रवर्तन दल ने एक स्कूटी सवार को रोका। उससे 100 किलो पॉलीथिन जब्त कर ली। स्थानीय लोगों ने कार्रवाई का विरोध किया, तो आपस में नोंक-झोंक हो गई।

27 फरवरी सुबह प्रवर्तन दल ने नगर निगम की वर्कशॉप के पास एक स्कूटी सवार को रोक लिया। स्कूटी पर करीब 100 किलो पॉलीथिन लदी थी। जिसे प्रवर्तन दल ने जब्त कर लिया। इस दौरान वहां स्थानीय लोग पहुंच गए। उन्होंने कार्रवाई का विरोध किया। मौके पर मौजूद एडवोकेट गणेश सारस्वत ने कहा कि शहर में जगह-जगह कूड़ा बिखरा पड़ा है, उसे साफ कराने पर भी ध्यान दिया जाए। इसी बात को लेकर उनकी नगर निगम कर्मियों से नोंक-झोंक हो गई। हालांकि थोड़ी देर बाद मामला शांत हो गया।

एडीएम एफआर सौरभ भट्ट ने किया लोनी तहसील का निरीक्षण

समयान्तराल, नियमानुसार कार्य पूर्ण करें: सौरभ भट्ट

गाजियाबाद। जिला गाजियाबाद की लोनी तहसील का शासनादेश के अनुसार एडीएम एफआर सौरभ भट्ट द्वारा गत शनिवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम एफआर ने पाया कि लोनी तहसील में सफाई व्यवस्था के अच्छे प्रबंध हैं कार्यालयों में भी साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा गया है। सौरभ भट्ट ने अधिकारियों/ कर्मचारियों से राजस्व वसूली, खाता–खतौनी सहित अन्य अभिलेखों की जानकारी लेते हुए एसडीएम कोर्ट, तहसीलदार कोर्ट, नायब तहसीलदार कोर्ट सहित अन्य कक्षों की गहनता से निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होने कहा कि समयान्तराल, नियमानुसार कार्य पूर्ण करें।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम लोनी निखिल चक्रवर्ती, तहसीलदार रजत सिंह, नायब तहसीलदार रति गुप्ता सहित अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतियोगियों को किया पुरस्कृत

गाजियाबाद। परिवहन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह (दिनांक 15.01.2024 से 14.02.2024) के अन्तर्गत सम्भाग स्तर की प्रतियोगिताओं में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के मध्य राज्य स्तरीय प्रतियोगिता विश्वेरैया प्रेक्षा गृह, लोक निर्माण विभाग मुख्यालय, निकट राज भवन लखनऊ में आयोजित की गयी।

जिसमें सम्भाग गाजियाबाद के जनपद गौतमबुद्धनगर से कु० मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर की छात्रा कल्पना कुमारी द्वारा राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा जनपद गाजियाबाद से इंग्राहम इन्स्टीट्यूट की छात्रा कु० निधि परवा द्वारा राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

उक्त के अतिरिक्त मण्डलीय नोडल अधिकारी (सड़क सुरक्षा), उच्च शिक्षा की संस्तुति के आधार पर विगत वर्ष में रोड सेफ्टी क्लब द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियाँ / प्रतियोगिताओं करते हुए मण्डल स्तर पर मान्यवर कांशीराम राजकीय महाविद्यालय नन्दग्राम, गाजियाबाद गाजियाबाद से सर्वश्रेष्ठ रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी उत्तम कुमार शर्मा तथा रोड सेफ्टी क्लब के टीम लीडर रितेश कुमार को राज्य स्तरीय आयोजित कार्यकम में चयनित कर सम्मानित किया गया।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जितिन प्रसाद, केबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, उ०प्र० एवं विशिष्ट अतिथि दया शंकर सिंह, राज्य परिवहन मंत्री, उ०प्र० के करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

पति का शव देख पत्नी ने लगाई 7वीं मंजिल से छलांग, अस्पताल में हुई मौत; तीन माह पहले हुई थी लव मैरिज

दिल्ली-एनसीआर। वैशाली सेक्टर तीन की एक हाई राइज सोसाइटी में रहने वाली महिला पति का शव देख 7वीं मंजिल की बालकनी से कूद गई। महिला बीते सोमवार को दिन में पति के साथ दिल्ली चिड़ियाघर घूमने गयी थी। इसी दौरान पति 27 वर्षीय अभिषेक की तबियत खराब हो गयी थी।

दिल्ली के अस्पताल में उपचार के दौरान पति की मौत हो गई। शव घर पहुंचने पर पत्नी होश खो बैठी और पत्नी ने आत्मदाही कदम उठा लिया। महिला नीचे खड़ी कार पर आ गिरी। परिजन ने महिला को वैशाली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। महिला के सिर, हाथ व पैर में चोट आई। महिला की दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत हो चुकी है। शुरूआती जांच मे सामने आया है कि दोनों की तीन माह पहले लव मैरिज हुई थी।

सफदरजंग अस्पताल में हुई महिला की मौत

एसीपी इंदिरापुरम स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि 23 वर्षीय घायल महिला अंजलि वेशालीके निजी हॉस्पिटल से सफदरजंग रेफर कर दिया गया था। वहां महिला की उपचार के दौरान मंगलवार को मौत हो गयी। महिला के पति एनजीओ में काम करते थे।

शराब की दुकान पर पहुंचा प्रॉपर्टी डीलर, गाड़ी का शीशा तोड़ बैग ले उड़े चोर

दिल्ली-एनसीआर। वसुंधरा सेक्टर 16 में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर ने सोमवार रात को वसुंधरा सेक्टर 15 के खायो पियो वाइन शॉप में शराब लेने गए और अपनी कार शॉप के पास खड़ी कर दी। चोरों ने प्रॉपर्टी डीलर की गाड़ी का शीशा तोड़ा और कार रखे दो बैग ले उड़े।

प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि शराब लेने के बाद वापस आए और कार में बैठकर शराब पी। फिर घर पहुंच गए। घर पहुंचने पर बेटे ने कार के पीछे वाली सीट का शीशा टूटा होने के बारे में पूछा तो प्रॉपर्टी डीलर हतप्रद रह गए। कार से उतरकर गौर से देखा तो शीशा टूटा हुआ था और कार में रखे दोनों बैग नहीं थे। कार सीट पर केवल एक एनवेलप पड़ा था। उन्होंने तत्काल थाने पहुंच पुलिस से चोरी की शिकायत की।

दोनों बैग में थी नकदी

प्रॉपर्टी डीलर ने बताया कि एक बैग में 3.70 लाख रुपये और दूसरे बैग में 11 हजार रुपये थे। बैग में प्रॉपर्टी की फाइल, ड्राईविंग लाइसेंस, पर्स, दो डेबिट कार्ड व अन्य दस्तावेज थे।

मदनगिरी कर रहा वारदात

दिल्ली का मदनगिरी गिरोह शीशा तोड़ कीमती सामान चोरी करने की वारदात को अंजाम देता है। गिरोह के निशाने पर लैपटॉप व बैग आदि में रखा कीमती सामान होता है। पुलिस अधिकारियों की मानें तो गिरोह गुलेल से कारों के शीशे तोड़ता है। गुलेल में कंचे आदि का प्रयोग करने से शीशा आसानी से टूट जाता है। गिरोह के निशाने पर बैग ही होता है।

पुलिस गिरोह खत्म करने में नाकाम

गिरोह के सदस्य सड़क किनारे खड़ी कारों को पलभर में निशाना बना चोरी करते हैं। गिरोह गुरिल्ला पद्धति से वारदात कर दिल्ली की ओर भाग जाता है। सीसीटीवी में चोरी की वारदात को अंजाम देते गिरोह के सदस्य कैद हुए हैं। गिरोह में कम उम्र के युवा शामिल हैं। वारदात को तीन दो से तीन युवा करते हैं। एक सदस्य रेकी करता है जबकि अन्य बाइक सवार सदस्य वारदात कर भागने में मदद करते हैं।

वहीं हर साल टीएचए में 100 से ज्यादा कार शीशा तोड़ने की घटनाएं होती हैं। कुछ की शिकायत दर्ज होती है कुछ चौकी थाने के चक्कर काटने से परेशान होकर शिकायत ही दर्ज नहीं करा पाते हैं। पुलिस गिरोह को पकड़ने और सामान बरामद करने का दावा करती हैं लेकिन धरातल पर दावे और बरामदगी कागजी ही है। आए दिन नई वारदात पुलिस जे दावों को पोल खोल रही है।

दोहरा होता है नुकसान

शीशा तोड़ चोरियों की वारदात में दोहरा नुकसान होता है। पहला, कीमती सामान चोरी होता है। दूसरा, कार में नया शीशा लगवाना पड़ता है। उसमें कम से कम पांच से 10 हजार रुपये खर्च होते हैं।

हाल में हुई वारदात

24 फरवरी को कनावनी पुलिया के पास प्रताप विहार के विनोद की खड़ी कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप, आईफोन, 8 हजार की नकदी व कीमती सामान चोरी

25 फरवरी को जयपुरिया अपार्टमेंट कौशाम्बी में रहने वाले नीरज और उनके पड़ोसी की कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप व कीमती सामान चोरी

02 दिसंबर 2023 को इंदिरापुरम के रेल विहार सोसायटी में रहने वाले आध्यात्मिक गुरु की बलेनो कार का शीशा तोड़ा

सेहत/स्वास्थ्य

जौ घास कई बीमारियों को रखे दूर, फायदे जानकर हो जाएंगे हैरान

जौ घास के रस में भरपूर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं, जो फास्टिंग ब्लड शुगर कम करने और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद हैं। जौ घास में सैपोनारिन पाया जाता है, जो भोजन के बाद ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित कर सकता है।

बहुत सालों से जौ की खेती हो रही है। जौ एक ग्लूटेन फ्री अनाज है, जौ घास सिर्फ घास नहीं है। यह एक सुपरफूड है। जौ की घास बहुत ही फायदेमंद और कई पोषक तत्वों से भरपूर होती है। जौ की घास में विटामिन, मिनरल्स और फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं। जौ की घास का रस आसानी से पचने योग्य होता है। बार्ली ग्रास का सेवन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है और ब्लड शुगर को भी कंट्रोल करता है। जौ की घास का रस वजन घटाने में भी सहायक होता है। आइए जानते हैं जौ घास के कितने फायदे हैं-

वजन घटाने में सहायक

पोषण विशेषज्ञ के अनुसार, जौ घास का रस मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देकर वजन घटाने में सहायता करता है। इसके एंटीऑक्सीडेंट और कैलोरी कम होने के कारण यह वजन को मैनेज करने में सहायक होता है।

इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है

जौ घास का रस प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत रखता है और शरीर को अनेक बीमारियों से बचाए रखने में मदद करता है। यह रोगों से लड़ने में हमारी सहायता करता है। जौ घास का जूस एंटीजन का पता लगाने में सहायता करता है और एंटीजन के संपर्क में आने पर बीमारी को रोकने के लिए शरीर की इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है।

मधुमेह को करता है कंट्रोल

जौ घास के रस में भरपूर मात्रा में फाइबर पाए जाते हैं, जो फास्टिंग ब्लड शुगर कम करने और ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद हैं। जौ घास में सैपोनारिन पाया जाता है, जो भोजन के बाद ब्लड ग्लूकोज को नियंत्रित कर सकता है। एक्सपर्ट की सलाह पर मधुमेह के मरीज इसका सेवन कर सकते हैं।

लिवर की करता है सफाई

जौ घास में क्लोरोफिल होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने और लीवर की सफाई करने का काम करता है। इसके अलावा इसमें कई एंजाइम होते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं। इनके अलावा जौ घास में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो आंतों की परत को ठीक करके पेट और आंत के रोगों का इलाज करते हैं।

त्वचा के लिए फायदेमंद

जौ घास एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होती है। जौ घास का रस शरीर को फ्री रेडिकल्स से निपटने के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है, जो हमारी त्वचा के फायदेमंद होती है।

जौ घास में क्लोरोफिल होता है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को खत्म करने और लीवर की सफाई करने का काम करता है। इसके अलावा इसमें कई एंजाइम होते हैं जो पाचन को बेहतर बनाते हैं। इनके अलावा जौ घास में एंटी इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो आंतों की परत को ठीक करके पेट और आंत के रोगों का इलाज करते हैं।

ब्लड प्रेशर को करता है नियंत्रित

जौ घास ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद माना जाती है। जौ घास में बहुत ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करते है। एक्सपर्ट की सलाह पर ब्लड प्रेशर के मरीज इसका सेवन कर सकते हैं।

फिटनेस मंत्रा

डिस्क्लेमर: इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

काली किशमिश खाने के जबरदस्त फायदे, एनीमिया से बचाए

दिव्यांशी भदौरिया

काली किशमिश खाने के कई फायदे है। रोजाना काली किशमिश खाने से एनीमिया, ऑस्टियोपोरोसिस, थकान और सांस की तकलीफ नहीं होती। इसे खाने से चेहरे की झुर्रियां गायब हो जाती है, बाल काले, घने और लंबे होते है। आप भी इसका रोजाना सेवन करें। हर व्यक्ति को अपने डाइट में काली किसमिस जरुर शामिल करना चाहिए।

एनीमिया आजकल की एक आम समस्या बन गई है, इस परिस्थिति में हीमोग्बोलिन का स्तर कम हो जाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को एनीमिया ज्यादा देखने को मिलता है। हर व्यक्ति को एनीमिया अलग-अलग तरह से प्रभावित कर सकता है। एनीमिया के रोगियों को थकान, कमजोरी, सांस लेने में तकलीफ, त्वचा का पीला होना, चक्कर आना, छाती में दर्द होना या सिरदर्द जैसे लक्षण होते हैं। काली किशमिश में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम और कैलोरी का मात्रा अधिक होती है। हर व्यक्ति को अपने डाइट में काली किसमिस जरुर शामिल करना चाहिए।

झुर्रियां बढ़ने से रोके

काली किशमिश में एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोकेमिकल्स त्वचा की प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ाते है। काली किशमिश खाने से झुर्रियां बढ़ने से रोकती, जिससे त्वचा जल्दी बूढ़ी नजर नहीं आती।

बाल मजबूत बनाए

तनाव और गलत लाइफस्टाइल के कारण बाल कामजोर होकर झड़ने लगते है। ऐसे मे आप आयरन से भरपूर किशमिश को खाएं इससे आपके बाल मजबूत होंगे। बाल काले-घने और मजबूत बनाने के लिए इसे आप अपनी डाइट में किशमिश को शामिल कर सकते है।

एनिमिया से बचाए

आजकल एनिमिया की समस्या काफी देखने को मिलती है। काली किशमिश में कई सारे पोषक तत्व पाए जाते है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, आयरन, कैल्शियम और कैलोरी का मात्रा अधिक होती है। हर व्यक्ति को अपने डाइट में काली किसमिस जरुर शामिल करना चाहिए। यह लाल रक्तरोशिकाओं का निर्माण करती हैं। आमतौर पर महिलाओं में एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी देखने को मिलती है। ऐसे में आप रोजाना किशमिश जरुर खाएं।

पाचन को दुरुस्त रखे

जिन लोगों को पाचन की समास्या रहती उनके लिए काली किशमिश का सेवन फायदेमंद होता है। यह डाइजेशन के लिए लाभकारी है, इसके लिए आप रात को काली किशमिश को भिगो दें। सुबह को सेवन करें इसे पाचन ठी रहेगै।

एनर्जी बढ़ाने में फायदेमंद

जिन लोगों को पाचन की समास्या रहती उनके लिए काली किशमिश का सेवन फायदेमंद होता है। यह डाइजेशन के लिए लाभकारी है, इसके लिए आप रात को काली किशमिश को भिगो दें। सुबह को सेवन करें इसे पाचन ठी रहेगै।

यदि आप दिनभर की थकान से परेशान रहते हैं तो काली किशमिश खाना शुरू कर दें। इसमें मौजूद नैचुरल शुगर मिनटों में एनर्जी लेवल को बढ़ा देती है। आज ही आप अपनी डाइट में किशमिश को शामिल कर सकते है। वहीं जिनको लो ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम होती है उनके लिए भी काली किशमिश का सेवन लाभकारी है।

घरेलू नुस्खे

डिस्क्लेमर: इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

स्वीट डिश के तौर पर सिर्फ 15 मिनट में बनाकर तैयार करें मूंगदाल हलवा, जल्द नोट कर लें रेसिपी

अनन्या मिश्रा

मूंगदाल का हलवा बनाने के लंबे और अधिक समय लेने वाला प्रोसेस होता है। लेकिन आज हम आपके साथ एक ऐसी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं, जो सिर्फ 15 मिनट के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा।

सर्दियों के मौसम में गाजर का हलवा खाना लोग पसंद करते हैं। वहीं सिर्फ गाजर ही नहीं बल्कि सर्दियों में कई चीजों का हलवा बनाकर खाया जाता है। जैसे मूंग दाल का हलवा, गाजर का हलवा और लड्डू-पिन्नी आदि चीजें बनाकर खाई जाती हैं। इस मौसम में मिलने वाले ये खास डिश के स्वाद को चखने का हम सभी बेसब्री से इंतजार करते हैं। हांलाकि पिन्नी, लड्डू और गाजर का हलवा बनाने में अधिक समय नहीं लगता है। लेकिन मूंगदाल का हलवा बनाने में काफी ज्यादा समय लगता है।

मूंग दाल का हलवा बनाने के लिए दाल को पहले भिगोना होता है फिर इसको पीस कर घी में घंटो तक भूनकर दूध या मावा के साथ पकाना पड़ता है। मूंगदाल का हलवा बनाने के यह लंबा और अधिक समय लेने वाला प्रोसेस होता है। जिसके कारण लोग बाजार से खरीदकर मूंगदाल का हलवा खाना पसंद करते हैं। लेकिन आज हम आपके साथ एक ऐसी रेसिपी शेयर करने जा रहे हैं, जो सिर्फ 15 मिनट के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा। तो आइए जानते हैं इस सिंपल, आसान और इंस्टेंट रेसिपी के बारे में...

सामग्री

बिना छिलके वाली मूंग का दाल- 1 कप
स्वादानुसार चीनी
इलायची पाउडर- 1 चम्मच
दूध- 2 कप
घी- आधा कटोरी

ऐसे बनाएं मूंग दाल का हलवा

मूंगदाल का हलवा बनाने के लिए चाशनी तैयार कर लें। फिर एक पैन में दूध, शक्कर और इलायची पाउडर डालकर अच्छे से पकाएं।

वहीं एक उबाल आने के बाद दूध और चीनी को एक ओर रख दें।

फिर खाली पैन में मूंगदाल को अच्छे से भूल लें।

दाल भुनने के बाद मिक्सर में इसे एकदम बारीक पीस लें।

इसके बाद पैन में आधा कटोरी घी में डालकर गर्म करें और मूंग दाल आटा को डालकर थोड़ी देर भूनें।

फिर मूंगदाल में चीनी की चाशनी और दूध डालकर सूखने तक पकाएं।

इस तरह से आपका मूंगदाल का हलवा बनकर तैयार हो गया है।

इसको ड्राई फ्रूट्स से गॉर्निश कर सर्व करें।

टिप्स

मूग दाल का हलवा बनाने के लिए दाल को पहले भिगोना होता है फिर इसको पीस कर घी में घंटो तक भूनकर दूध या मावा के साथ पकाना पड़ता है। मूंगदाल का हलवा बनाने के यह लंबा और अधिक समय लेने वाला प्रोसेस होता है।

हलवा बनाने के लिए मूंग दाल को बिना भिगोए रोस्ट करना है।

आंच को मीडियम रखें, क्योंकि फिर हलवा जल सकता है।

दूध सूखने पर आधी कटोरी खोया या मावा मिलाएं। इससे हलवा का स्वाद बेहतर होगा।

पीसे हुए आटा को घी में ज्यादा देर तक रोस्ट न करें। क्योंकि अगर आटा जल जाएगा तो पूरा स्वाद बेकार हो जाएगा।

प्रभु महिमा/धर्मस्थल

392 स्तंभ और 44 दरवाजों पर समर्थित है श्रीराम मंदिर, जानिए क्या है इसकी विशेषता

अनन्या मिश्रा

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी 2024 को धूमधाम से संपन्न हो गया। राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। इस मंदिर में 44 दरवाजे और 392 स्तंभ हैं। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह 22 जनवरी 2024 को धूमधाम से संपन्न हो गया। इसके साथ ही राम भक्तों की सालों की इच्छा पूरी हो गई और रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में पीएम मोदी ने भी भाग लिया। इसके साथ ही भगवान भोलेनाथ के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में देश के सभी धार्मिक और आध्यात्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया।

44 दरवाजे और 392 स्तंभ

प्रभु श्रीराम के लिए भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण पारंपरिक नागर शैली में किया गया है। मंदिर की लंबाई 380 फीट, चौड़ाई 250 फीट और 161 फीट ऊंचाई है। श्रीराम का मंदिर 44 दरवाजों और 392 स्तंभों द्वारा समर्थित हैं। वहीं मंदिर के स्तंभों और दीवारों पर देवी-देवताओं के जटिल चित्रों को उकेरा गया है। साथ ही मंदिर के भूतल पर मुख्य गर्भग्रह में रामलला को रखा गया है। राम मंदिर का मुख्य प्रवेश द्वार पूर्व दिशा में हैं।

राम मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वारा तक सिंह द्वार से 32 सीढ़ियां चढ़कर पहुंचा जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में 5 मंडप हैं। जिनमें रंग मंडप, सभा मंडप, नृत्य मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप शामिल हैं। वहीं मंदिर के पास में ही एक कुआं बना है।

यह कुआं ऐतिहासिक और प्राचीन काल का है। राम मंदिर के दक्षिणी-पश्चिमी भाग में स्थित कुबेर के टीले में भगवान शंकर के प्राचीन मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है और पास में एक जटायू की मूर्ति स्थापित की गई है।

मंदिर निर्माण में नहीं हुआ लोहे का इस्तेमाल

प्रभु श्रीराम के मंदिर की नींव के निर्माण में रोलर-कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 14 मीटर मोटी परत रखी गई है। इससे यह कृत्रिम चट्टान की तरह बन जाता है। वहीं राम मंदिर निर्माण में कहीं भी लोहे का इस्तेमाल नहीं किया गया है।

बड़े ही काम के हैं तरबूज के छिलके, इस तरह से करें इस्तेमाल, मिलेंगे कई फायदे

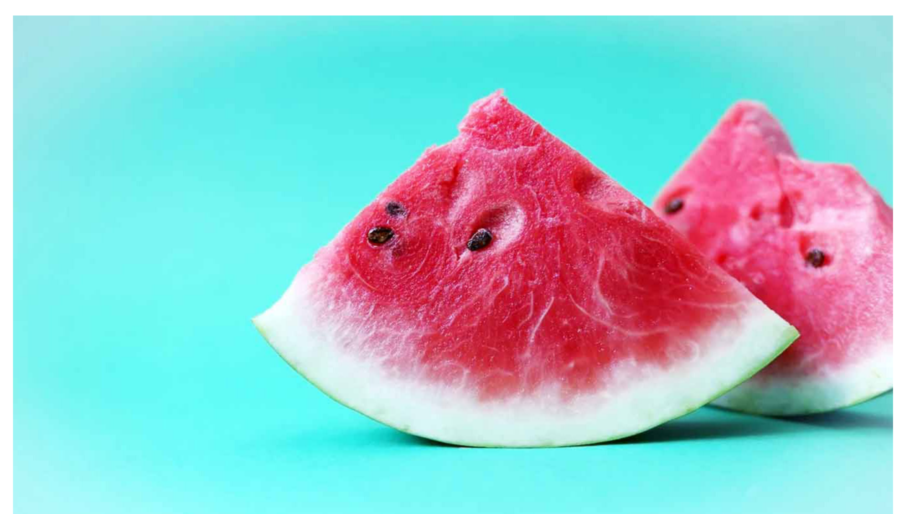

दिव्यांशी भदौरिया

तरबूज सिर्फ खाने के अलावा कई चीजों में काम आ सकता है। तरबूज के छिलके केवल आपकी स्किन को निखारने या हेल्थ बनाने के लिए ही नहीं बल्कि कई तरह से काम आ सकता है। आज हम आपको तरबूज के छिलके के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिससे आप इसके छिलके कभी नहीं फेंकने के बजाय घर के काम में इस्तेमाल करने लगेंगी।

तरबूज खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, तरबूज में काफी फायदेमेंद होता है लेकिन इसके छिलके का काफी फायदा है। यह सेहत के साथ-साथ आपके घर में कई तरह से काम आ सकता है। आज हम आपको तरबूज के छिलके के कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहे हैं जिससे आप इसके छिलके कभी नहीं फेंकने के बजाय घर के काम में इस्तेमाल करने लगेंगी।

तरबूज का छिलका से हटा सकते हैं दाग

अगर आपके घर में टाइल्स पर लगा हल्दी या खाने का दाग साफ नहीं हो रहा है, तो आप तरबूज के छिलके की मदद से इसे साफ कर सकते हैं। तरबूज के छिलकों में

एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है, यह गहरे दाग को आसानी से साफ कर सकता है। सबसे पहले आप तरबूज के छिलके को पीस लें और इसमें एक चम्मच बर्तन धोने वाला लिक्विड को मिलाएं।

इसके बाद दाग पर इस मिश्रण को लगाएंगे और साफ करेंगे, तो इससे दाग बहुत अच्छे से साफ हो जाता है।

चिकनाहट होंगी खत्म

किचन में मौजूद सभी डब्बे या तेल की बोतल गंदी दिखने लगती है। इसे छुने से हाथ छिपकने लगते हैं, जब तक तेल खत्म नहीं होता, तब तक आप इसे धो भी नहीं सकते। लेकिन आप तरबूज की मदद से इसे साफ कर सकते हैं। इसके लिए आपको एक बर्तन में तरबूज के छिलकों को पेस्ट तैयार करना होगा। इसके बाद आप इस मिश्रण को बोतल पर लगाएं और कपड़े की मदद से साफ कर सकते हैं।ऐसा करने से बोतल पर जमा या किचन के सारे डिब्बों की चिकनाहट खत्म हो जाएगी। आप इस प्रक्रिया से बोतल को बिना धोए साफ कर सकते हैं।

गार्डन में भी काम आएगा

तरबूज की तासिर ठंडी होती है, इसलिए इसके छिलके बड़े ही फायदेमंद है, इसका उपयोग घर के गार्डन मे भी किया जा सकता है।

इसके लिए आप सबसे पहले एक बर्तन में पानी लें। आप को इतने मात्रा में पानी लेना है जिससे सारे छिलके डूब जाए। फिर इसको आप तीन दिन के लिए अच्छे से ढककर रख दें। तीन दिनों के दौरान आपको हर दिन एक बार पानी को मिला लेना है। अब आप इसमें लिक्विड फर्टिलाइजर तैयार है।

पानी की बोतल में भरे और इसे पौधों पर स्प्रे करें। इससे पौधों के पत्ते ताजे रहेंगे और फूल भी काफी आते है।

सम्पादकीय

कूंजां के गीत पर कुंजू उदास

बहुत पहले जब संस्कृति भूगोल बनाती थी, तब डोगरी और कांगड़ी के बीच सेतु बन कर खड़ा एक लोकगीत कूंजां जाई पेइयां हर सरहद के पार पहुंच जाता था। आज भी मल्लिका पुखराज के बाद उनकी बेटी ताहिरा सैयद पाकिस्तान में कूंजां में भाषा, बोली या अर्थ से बेखबर उस युग को ढूंढ रही हैं, तो जिक्र एक साथ पपरोला और नादौन तक का भी आ जाता है। इसी तरह प्रताप शर्मा ने जीणा कांगड़े दा जब गाया, तो पंजाब के सांस्कृतिक मिजाज में यह क्षेत्र घुल मिल जाता रहा। गीतों ने जो तब चुना वह अब नाटी सिरमौर आली ए की धुन पर या रोहड़ू जाना मेरी आमिए की लय पर हिमाचल के सुर जोड़ देता है, लेकिन क्या आज कूंजां बूढ़ी हो गईं या राजनीतिक अवसाद से घिर गईं। कम से कम जो हिस्सा कूंजां के माध्यम से देवर रूपी समाज को इक घुट पी जाइयां देरा कहते हुए साझी विरासत का प्रदर्शन करता था, क्या उसे राजनेताओं ने खंडित कर दिया। क्यों आज हमीरपुर की कूंजां, कांगड़ा से अलग हो गईं। क्यों जीणा कांगड़े दा जैसा प्रभाव छोडने वाली सांस्कृतिक विरासत हिमाचल में घुल मिल कर भी अपनी ही जमीन पर हार गई। कुलदीप शर्मा जैसा गायक आज भी शिमला से नीचे उतर कर इन्हां बडियां जो तुडका लगा रहा है, लेकिन सारी फिजां पर सियासत का कब्जा है। गीतों की आशा राजनीति की निराशा में क्यों उदास है। क्यों शिलान्यासों की पट्टिकाओं पर आकर कूंजा पूछ रही हैं कि वे नौण कहां गए जहां का पानी पी कर कभी सारे मोहल्ले इक्‌े होते थे। आज जीणा कांगड़े दा क्यों अपनी खिड़कियां सत्ता के पूर्व की ओर नहीं खोल पा रहा है। कूंजां अगर देहरा में केंद्रीय विश्वविद्यालय की रात दिन बनती इमारतों पर आ कर बैठती हैं, तो धर्मशाला के जदरांगल की जमीन उनके लिए क्यों अछूत हो गई। ये कूंजां गहरे काले रंग में थीं, तो क्या अब इनका दिल भी काला हो गया। आखिर ये अब अपनी उड़ारी या उडने के नए रास्ते ढूंढते हुए कांगड़ा से क्यों रूठ गईं। साक्ष्य बताते हैं कि कूंजां अब शिमला में मंत्रियों की बोली सीख रही हैं, तो सियासी पंडितों को भय है कि इनकी वजह से सत्ता की भाषा कहीं सदा के लिए ही बदल न जाए। कूंजां अपने संरक्षण के लिए पूरे प्रदेश में नई हरियाली देख रहीं, लेकिन भय यह है कि कहीं जहां के गीत गाकर ये प्रजाति शिमला तक पहुंच गई, उस कांगड़ा के लोगों के लिए यह अभिशाप न बन जाएं।

आज कूंजां की प्रतिस्पर्धा में पौंग डैम के प्रवासी पक्षी आ चुके हैं। क्या कूंजां इसलिए कांगड़ा छोड़ चुकी हैं या इसके लिए दाना कम हो गया है। कल तक जो प्रदेश भाजपा की सत्ता में उड़ते पंछियों को पहचान रहा था, वह आज भी कुछ कटे पंख देख रहा है। जाहिर है ये पंख पंक्षियों के ही हैं। कुछ देशी और कुछ प्रवासी, लेकिन मंच पर कटे पंख लगा कर न जाने कितने नेता प्रयास कर रहे हैं, तो कहीं दूर सुधीर शर्मा के खेत में आहें उग रही हैं। वहां घायल कोई कूंजां कोशिश कर रही है कि एक बार फिर से गाने के प्रयत्न से साबित किया जा सके कि नादौन के नोण का पानी आज भी मीठा है। आश्चर्य यह कि जिस देरा यानी देवर को कूंजां प्रवाभित करती आई हैं, उसे अब भरोसा ही नहीं कि कांगड़ा के अंचल में कुछ मीठा भी हो सकता है। यही कड़वाहट बयानों में आती है, तो ब्यास के तट पर सुजानपुर टीहरा में कपड़े धोयां नाले रोआं गा गा कर कुंजुआ को याद किया जा रहा है। क्या कूंजू उदास है या परिदृश्य से उठा लिया गया है। जहां कूंजू की याद में आंसू निकल रहे हैं, वहां कूंजां क्या करें। वे ब्यास में नहाने से डर रही हैं। नहा लेतीं, तो शायद कूंजां अपना रंग बदल लेतीं। ये ब्यास का पानी पीने से डर रही हैं, लेकिन पौंग डैम पर कई प्रवासी पक्षियों के डेरे में भी इसे कोई अपना नहीं मिल रहा। ब्यास नदी ने कभी महाराज संसार चंद के साम्राज्य को फैलते देखा था, लेकिन आज उनकी वंशवली घोड़ों पर नहीं प्रवासी पक्षियों की नस्लों पर निर्भर हो गई। कूंजां अब भी गा रही हैं, लेकिन श्रोता शिमला में संरक्षित पक्षियों से कोई अमर गीत सुनना चाहते हैं। ये पक्षी नहीं पाले हुए परिंदें हैं जो सिर्फ पिंजरे में इशारों पर कहते हैं।

खसरे का प्रकोप

अमरीका, यूरोप, ब्रिटेन के बाद भारत में खसरा फैल रहा है। हालांकि यह कोरोना महामारी सरीखा जानलेवा संक्रमण नहीं है, लेकिन त्वचा से जुड़ा खतरनाक संक्रमण जरूर है। इसे घरेलू स्तर पर माता, चेचक, शीतला माता कहा जाता है और घरेलू, देशी टोटकों से ही इसका इलाज करने की कोशिशें की जाती हैं, लेकिन समय पर खसरे का यथोचित मेडिकल इलाज न किया जाए, तो यह गंभीर जटिलताओं, आजीवन विकलांगता और अंततः मौत का कारण भी बन सकता है। यह फेफड़ों और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है। निमोनिया, मेनिनजाइटिस, अंधापन और दौरे का कारण भी बन सकता है। भारत में खसरे के संक्रमण का फैलाव चिंताजनक है, क्योंकि देश में औसतन हर साल करीब 10 लाख लोग खसरे का शिकार होते हैं। हालांकि औसतन मौत का कोई निश्चित डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन इतने व्यापक स्तर पर लोग संक्रमित होते हैं, तो जाहिर है कि मौत का संभावित आंकड़ा भी उसी के अनुपात में ही होगा! खसरे के कुछ लक्षण कोरोना वायरस सरीखे हैं। यह संक्रमण भी किसी संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से, मुंह की लार से, हाथ मिलाने या गले लगाने से, गर्भावस्था या प्रसव अथवा देखभाल के दौरान मां से बच्चे को हो सकता है।

खांसने या छींकने का वायरस हवा में और सतहों पर रह सकता है। यदि कमरे में खसरा पीड़ित है और वह वहां से चला गया है, तो आप एक घंटे बाद ही वहां जाएं। यह सावधानी न बरतने पर खसरे से संक्रमित होने का खतरा 90 फीसदी है। संक्रमित के मुंह या नाक से बहते द्रव्य के सीधे या हवा के जरिए संपर्क में आने से भी संक्रमण हो सकता है। ये विभिन्न डॉक्टरों के शोधों और प्रयोगों के ही निष्कर्ष हैं। त्वचा पर लाल दाने या चकत्ते निकल आएं और उनमें तेज खुजली और जलन हो, तो ये खसरे के शुरूआती लक्षण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत, अमरीका और यूरोप में खसरे के फैलते संक्रमण पर चिंता जताई है और चेतावनी भी जारी की है। खसरा लाइलाज वायरस नहीं है। बाजार में इसके टीके उपलब्ध हैं। टीकाकरण खसरा रोकने का सबसे प्रभावी तरीका है। खसरा और रूबेला का टीका आमतौर पर दो खुराक में दिया जाता है। पहली खुराक बच्चे की 12-15 माह की उम्र में ही देनी चाहिए और दूसरी खुराक 4-6 साल की उम्र में दी जाती है। हालांकि भारत में खसरा टीकाकरण की सुविधाएं मौजूद हैं, फिर भी 2022 में करीब 11 लाख बच्चे भारत में खसरे के टीके की पहली खुराक लेने से ही चूक गए। यह आंकड़ा विश्व स्वास्थ्य संगठन का है। नतीजतन भारत उन 10 देशों की जमात में आ गया, जहां महामारी के बाद भी खसरे के टीकाकरण में सबसे ज्यादा कमी आई है। वैज्ञानिकों और चिकित्सकों का मानना है कि टीका खसरे को रोकने में काफी असरदार है। किसी स्कूल या समुदाय में टीकाकरण दर 93 फीसदी या उससे अधिक है, तो उसकी सामूहिक प्रतिरक्षा काम कर सकती है। भारत सरकार विभिन्न टीकाकरण के अभियान चलाती रही है और लगभग सभी टीके मुफ्त ही लगाए जाते हैं, फिर भी 11 लाख बच्चों से जुड़ी कोताही की जाएगी, तो यही संक्रमण एक दिन महामारी भी साबित हो सकता है। ब्रिटेन में चिकित्सक मानते हैं कि खसरे के मद्देनजर स्वास्थ्य की अनदेखी हुई है। नियमों की अवहेलना की गई है और अब काफी खराब हालात हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 2021 में दुनिया भर में खसरे से करीब 1,28,000 मौतें हुई थीं। यह अनुमानित आंकड़ा है। अब तीन साल बाद मौतों का आंकड़ा अधिक भी हो सकता है। मरने वाले लोगों की औसतन उम्र 5 साल से कम बताई जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवम प्रकाशक संगीता सिंह ने मैसर्स एजीएस पब्लिकेशन एफ - 23 सेक्टर 6 नोएडा 201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित करा कर एस -5 / 4/176 एल जी एफ सेक्टर 4 वैशाली साहिबाबाद जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश 201010 से प्रकाशित किया

प्रबंध संपादक : शैलेश कुमार सिंह।

संपादक : अभिमन्यु सिंह

RNI NO UPHIN/2012/46248

Mob : **9818189921**

Whatsapp : **9818189921**

Email : **Abhivartasamchar@gmail.com**

मानव सभ्यता में विज्ञान का योगदान

रश्मी मिश्रा (पीएचडी)
प्रोफेसर और प्रमुख जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एनआईईटी, ग्रेटर नोएडा

मानव सभ्यता में विज्ञान का योगदान विशाल और बहुआयामी है, जो हमारे जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित करता है। यहां कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं जहां विज्ञान ने मानव सभ्यता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

चिकित्सा प्रगतिः टीकों, एंटीबायोटिक्स और चिकित्सा प्रौद्योगिकियों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार किया है, जीवन प्रत्याशा में वृद्धि की है और मृत्यु दर में कमी की है। नैदानिक उपकरण और इमेजिंग प्रौद्योगिकियों ने चिकित्सा निदान और उपचार में क्रांति ला दी है।

तकनीकी नवाचारः सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और इंटरनेट ने संचार को बदल दिया है और विश्व स्तर पर लोगों को जोड़ा है। स्वचालन, रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने उद्योगों और दैनिक जीवन में क्रांति ला दी है। ऑटोमोबाइल से लेकर हवाई जहाज तक परिवहन में प्रगति ने यात्रा को तेज और अधिक सुलभ बना दिया है।

कृषि क्रांतिः कृषि में वैज्ञानिक प्रगति से फसल की पैदावार में वृद्धि हुई है, फसल की किस्मों में सुधार हुआ है और बेहतर कीट नियंत्रण हुआ है। जैव प्रौद्योगिकी ने उन्नत विशेषताओं के साथ आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें पेश की हैं।

ऊर्जा उत्पादनः भौतिकी और इंजीनियरिंग में प्रगति से जीवाश्म ईंधन, परमाणु ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा सहित विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का विकास हुआ है। सौर और पवन ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ टिकाऊ और स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों में योगदान करती हैं।

पर्यावरणीय समझः वैज्ञानिक अनुसंधान ने पर्यावरणीय मुद्दों के बारे में हमारी समझ को बढ़ाया है, जिससे संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और टिकाऊ संसाधन प्रबंधन के प्रयासों को बढ़ावा मिला है। जलवायु विज्ञान जलवायु परिवर्तन और इसके संभावित प्रभावों के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

अंतरिक्ष अन्वेषणः अंतरिक्ष अन्वेषण और खगोल विज्ञान ने ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ का विस्तार किया है, जिससे तकनीकी नवाचार हुए हैं और वैज्ञानिक जिज्ञासा पैदा हुई है। उपग्रहों का उपयोग संचार, मौसम पूवानुर्मान और वैश्विक स्थिति निर्धारण में होता है।

शैक्षिक प्रगतिः वैज्ञानिक अनुसंधान ने शैक्षिक तरीकों और सामग्रियों में सुधार किया है, जिससे सीखने के अनुभव में वृद्धि हुई है। ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म और डिजिटल संसाधनों ने सूचना तक पहुंच को लोकतांत्रिक बना दिया है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छताः सूक्ष्म जीव विज्ञान और महामारी विज्ञान में वैज्ञानिक खोजों ने बीमारी की रोकथाम और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वच्छता प्रथाओं में सुधार से संक्रामक रोगों के प्रसार में कमी आई है।

सांस्कृतिक प्रभावः विज्ञान ने कला, साहित्य और संस्कृति को प्रभावित किया है, रचनात्मकता को बढ़ावा दिया है और दुनिया को नए दृष्टिकोण प्रदान किए हैं। वैज्ञानिक प्रगति ने नैतिक और दार्शनिक चचाओं को आकार दिया है।

वैश्विक सहयोगः सीमाओं के पार वैज्ञानिक सहयोग ने शोधकताओं के एक वैश्विक समुदाय को बढ़ावा दिया है, जिससे साझा ज्ञान और सामूहिक समस्या-समाधान हुआ है।

संक्षेप में, विज्ञान मानव सभ्यता में एक प्रेरक शक्ति रहा है, प्रगति को आकार दे रहा है, नवाचार को बढ़ावा दे रहा है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर रहा है। वैज्ञानिक ज्ञान की निरंतर खोज ने समाज की उन्नति और दुनिया भर के व्यक्तियों की भलाई में योगदान दिया है।

अराजकता और अपराध के सहारे कब तक सत्ता पर कब्जा रख पाएंगी ममता बनर्जी?

पिछले दो दशक से संदेशखाली में जो कुछ हो रहा था, वह आश्चर्यचकित कर देने वाला है। पश्चिम बंगाल में पहले सरकार भले ही कम्युनिस्टों की थी या बाद में तृणमूल कांग्रेस की, संदेशखाली में एक परिवार का राज चल रहा था। वह था जिला परिषद अध्यक्ष शाहजहाँ शेख का परिवार। जिसमें उसका भाई, रिश्तेदार और उसके साथी शिबू हजारा और उत्तम सरदार जैसे लोग शामिल थे।

जिला परिषद के चुनावों में वह हमेशा धांधली से जीत जाता था। उस धांधली में प्रशासन उसके साथ होता था। जब कम्युनिस्टों का राज था, तो मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का नेता था, जब तृणमूल कांग्रेस का राज आया, तो वह संदेशखाली में तृणमूल कांग्रेस का नेता बन गया।

संदेशखाली में कुछ नहीं बदला, पहले भी संदेशखाली की पुलिस शाहजहाँ शेख की जेब में थी, बाद में भी उसी की जेब में रही। लगता ऐसा है कि वहां का एसपी अपने डीजीपी से नहीं, बल्कि शाहजहाँ शेख से आदेश और निर्देश लेता था। वहां का डीएम शाहजहाँ शेख को ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समझता था।

पिछले बीस साल से यह सब बिना ज्योतिबसु, बुद्धदेव भट्टाचार्य और ममता बनर्जी की सहमति के नहीं हो सकता था।

सहमति का सबूत यह है कि जब शाहजहाँ शेख के खिलाफ संदेशखाली में महिलाएं सड़कों पर उतर आई थीं, 13 फरवरी को हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेकर सरकार से एक हफ्ते में रिपोर्ट मांग ली थी, इसके बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 15 फरवरी को विधानसभा में कहा कि शाहजहाँ शेख बेकसूर है, उसके खिलाफ भाजपा और आरएसएस साजिश रच रहे हैं।

तो क्या हाईकोर्ट भी आरएसएस और भाजपा की साजिश में शामिल था, क्योंकि हाईकोर्ट ने भी तो स्वतः संज्ञान लिया था।

पुलिस में दर्ज शिकायतों के बावजूद ममता सरकार का उसे गिरफ्तार करने का कोई इरादा नहीं था।

लोकतंत्र के लिए मंहगा सौदा बनती राजनीति

जैसे-जैसे चुनावी खर्च बढ़ा है, राजनीतिक पार्टियों की हैसियत भी बढ़ते हुए हजारों करोड़ की हो गई है। चुनावी बांड के जरिए भारतीय लोकतंत्र के गले में पड़ी पूंजी की फांस को लेकर देश की सुप्रीम अदालत के फैसले के बाद अब सबकी नजर चुनाव आयोग पर लगी है।

मालूम हो कि बीते 15 फरवरी को उच्चतम न्यायालय ने चुनावी बांड को असंवैधानिक करार देते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को राजनीतिक पार्टियों को मिले चुनावी चंदे की जानकारी देने का निर्देश दिया है। अदालत ने बैंक को कहा है कि वह तीन सप्ताह के भीतर सारी जानकारी चुनाव आयोग को मुहैया कराए और चुनाव आयोग इस जानकारी को 31 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित करेगा।

वर्ष 2022-23 के लिए आंकड़ा मोटा-मोटी 16 सौ करोड़ रुपए का है, जो राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में मिला है। देखना यह है कि चुनाव आयोग आधिकारिक तौर पर कितना पैसा दशार्ता है और सभी पैसा देने वालों के नाम उजागर करता है या नहीं?

साफ सुथरे संसाधन के साथ चुनाव लोकतंत्र के लिए अपरिहार्य माना गया है। लेकिन बाजार की दखलंदाजी के कारण चुनाव लगातार मंहगे होते जा रहे हैं। राजनीतिक दल अपने कार्यकताओं से अधिक भरोसा पेशेवर लोगों पर कर रहे हैं। पार्टियां अपने चरित्र और कार्यशैली को पॉलिटिकल एंटरप्रेन्योर के रूप में बदल रही हैं। टेक कंपनियां भी इस मौके को खूब भुना रही हैं और राजनीतिक दलों को अपना क्लाइंट बनाकर मोटी कमाई कर रही हैं।

इस संकट को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पहले ही भांप लिया था। वर्ष 1962 में अटल बिहारी वाजपेयी ने कॉपोर्रेट से चुनावी चंदे के प्रचलन को खत्म करने के लिए लोकसभा में निजी सदस्य बिल पेश किया था। तर्क दिया गया था कि संभव है कि सभी पक्षों को कॉपोर्रेट से चंदा लेना मंजूर न हो, इसलिए उनकी सहमति लिए बिना कॉपोर्रेट से चंदा लेने को मंजूरी देना अनैतिक होगा।

वाजपेयी का कहना था कि ऐसे चंदों से केवल कॉरपोरेट के हित सधेंगे। जहां सभी राजनीतिक पार्टियों ने बिल का स्वागत किया वहीं तत्कालीन सत्तारुढ कांग्रेस पार्टी ने इसके पक्ष में वोट नहीं किया। उसके बाद ऐसा बिल कभी पेश नहीं हुआ। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 29 बी के तहत राजनीतिक पार्टियां विदेशी स्रोतों को छोड़कर किसी से भी चंदा ले सकती हैं। इससे दो निष्कर्ष निकालते हैं, पहला- धन में राजनीतिक एजेंडा को प्रभावित करने की क्षमता है। दूसरा, विदेशी चंदा चुनावी शुचिता को खंडित करता है। यह दोनों बातें उस व्यक्ति, गैर मतदाता पर भी बराबर लागू होती है जिसका चुनाव प्रक्रिया से कुछ लेना देना नहीं है।

विदेशी स्रोत से चंदे के साथ जैसी चुनौतियां जुड़ी है, वैसी ही चिंताएं कॉपोर्रेट से मिलने वाले चंदे के साथ भी जुड़ी होती है। अंतर सिर्फ इतना है कि जहां विदेशी चंदा न्यायिक परिधि से बाहर है तो दूसरा यानी कॉपोर्रेट चुनाव में प्रतिभागी न होने से चुनावी प्रक्रिया के लिए बाहरी तत्व हैं। लेकिन पार्टीगत हितों के चलते इस कानून को ठोस नहीं बनाया गया।

वाजपेयी ने अपने बिल में कॉपोर्रेट बनाम आम नागरिक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का भी जिक्र किया था। आमतौर पर कॉपोर्रेट ग्रुप अपने सदस्यों, जिन्हें व्यापार की स्वतंत्रता है, के आर्थिक हितों को साधने वाले संगठन होते हैं। इसलिए उनके लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से तात्पर्य कारोबारी स्वतंत्रता से होता है। यकीनन यह स्वतंत्रता व्यावसायिक उद्देश्य वाली होती है। दूसरी तरफ नागरिकों के पास अभिव्यक्ति की निर्वाध स्वतंत्रता है, जो राजनीतिक क्षेत्र तक विस्तार ले लेती है।

चूंकि कॉपोर्रेट मतदाताओं की भांति लोकतंत्र में प्रतिभागी नहीं होते, इसलिए उनका राजनीतिक भाषण और अभिव्यक्ति के लिए कोई दावा नहीं होता।

इसीलिए जहां नागरिक मतदाता अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किसी राजनीतिक पार्टी को चंदा दे सकते हैं, वहीं कॉरपोरेट को किसी राजनीतिक पार्टी को चंदा देने से बचना चाहिए। वाजपेयी जी ने सदन में जो प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया था उसका मूल मकसद चुनाव सुधार से जुड़ा था।

अदालत के हालिया निर्णय के बाद चुनाव सुधार का मुद्दा एक बार फिर केंद्र में आ गया है। भारतीय लोकतंत्र को दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्र के रूप में देखा जाता है तो उसके कारणों में चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता भी शामिल है। भारत में समय-समय पर इस प्रक्रिया की कमियों को दूर करने के लिए सुधार किया जाता रहा है।

टीएन शेषन जैसे निर्वाचन आयुक्तों ने अपने कुछ कड़े निर्णय से बड़े सुधार किये और ख्याति प्राप्त की। उस दौर में धनबल के साथ बाहुबल का प्रयोग कर पंचायत से लेकर लोकसभा तक के चुनाव को प्रभावित किया जाता रहा। तब बूथ कैपचरिंग जैसे हथकंडे अपनाने वाले अपराधी प्रवृत्ति के लोग चुनकर संसद और विधानसभाओं में पहुंचने लगे थे, लेकिन उनके समर्थकों पर जब शेषन और के जे राव की शक्ति का डंडा चला था, तब बाहुबली जड़ मूल से खत्म हो गये।

चुनाव सुधार के लिए शेषन के समय में गठित दिनेश गोस्वामी समिति, राजनीति के अपराधीकरण पर बोहरा समिति आदि की सिफारिशों पर ढेर सारा सुधार किया गया, जिसका सकारात्मक प्रभाव सीधे रूप से दिखाई पड़ता है।

लेकिन अब तक के तमाम सुधारों के बावजूद धन बल के प्रयोग की स्थिति इतनी भयावह बन चुकी है कि छोटे से छोटे चुनाव में भी प्रत्याशियों द्वारा करोड़ों रुपया खर्च किया जा रहा है। पिछले कुछ चुनाव आंकड़ों को देखें तो कानून सम्मत और असल खर्च के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है। ऐसे मे अगर खर्चे ज्यादा है, तो बगैर चंदा, बगैर सहयोग के कोई प्रत्याशी या कोई राजनीतिक दल चुनाव में कैसे हिस्सा ले सकता है?

यही कारण है कि वास्तविक राजनीतिक अर्थों में किसी भी पार्टी को चंदा संबंधी कानून में सुधार से कोई फायदा नजर नहीं आता। सत्तारूढ़ दल के साथ-साथ मुख्य विपक्षी पार्टी तक को उम्मीद होती है कि जब वह सत्ता में आएगी तो इस सहूलियत से लाभान्वित हो जाएगी।

इसलिए जरूरी है कि अनुच्छेद 324 के तहत चुनावी चंदा संबंधी मामले को निर्वाचन आयोग को सौंप दिया जाए। राजनीतिक दलों को निष्पक्ष और पारदर्शिता से चंदा मुहैया कराने के लिए जरूरी है कि बेहिसाबी पैसे और कॉरपोरेट और गैर मतदाता द्वारा राजनीतिक दलों को सीधे चंदा दिए जाने का नियमन हो। इस क्रम में मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों को सरकार की तरफ से धन मुहैया कराना भी कारगर विकल्प हो सकता है। इस तरह की योजना प्रत्यक्ष करों पर एक प्रतिशत का उपकार लगाकर कारगर बनाई जा सकती है। निर्वाचन आयोग एक राष्ट्रीय निर्वाचन कोष बना सकता है, जिसमें उपकार से संग्रहित धन जमा किए जाए।

उपकर प्रगतिशील होने के कारण गरीब उम्मीदवारों के लिए भी चुनाव लड़ना आसान हो जाएगा।

इसके साथ ही राजनीतिक पार्टियों को मतदाताओं से सीधे चंदा लेने की छूट हो। जो मतदाता नहीं है वह अपना योगदान तटस्थ रूप से निर्वाचन कोष में दे सकते हैं। कॉपोर्रेट द्वारा अगर इस कोष में पैसा दिया जाता है तो उससे चुनाव प्रक्रिया पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, बल्कि चुनाव में लोगों की निष्ठा में इजाफा होगा।

राजनीतिक पार्टियां भी सत्ता में आने के बाद अधिक से अधिक समावेशी एजेंडा को क्रियान्वित करने के लिए प्रेरित होंगी। मतदाताओं का महत्व बढ़ेगा और तभी लोकतंत्र वास्तव में लोगों का, लोगों के लिए और लोगों द्वारा बन सकेगा।

क्या लोकप्रियता की लहर पर सवार तेजस्वी जीत लेंगे बिहार?

बिहार में फिर से नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनने के बाद से नाराज युवा नेता तेजस्वी यादव प्रदेश भर के दौरे पर हैं। उनकी जन विश्वास यात्रा में जबरदस्त भीड़ जुट रही है। वाकपटुता बढ़ी है और वह समर्थकों के बीच पहले से ज्यादा कनेक्ट कर पा रहे हैं।

विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विश्वास प्रस्ताव पर बोलने के क्रम में उन्होंने बारीकी से अपना राजनीतिक नैरेटिव गढ़कर अपनी स्वीकार्यता बढ़ाई है। यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव इस बार नीतीश कुमार सरकार में 17 महीनों तक रहकर किए अपने काम को बताकर छवि चमका रहे हैं। वो अपने आप को बिहार के युवाओं को नौकरी दिलाने वाले नायक की तरह पेश कर रहे हैं।

बंपर सरकारी नौकरी देने से उनकी लोकप्रियता का ग्राफ बढ़ा है जिसे देखकर कहना मुश्किल है कि इस बार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पुराने मित्र लालू प्रसाद से दुश्मनी साधी है या फिर मित्र धर्म निभाने के लिए तेजस्वी को निखरने का मौका देते हुए अपनी राजनीतिक छाया से आजाद कर दिया है।

तेजस्वी का निखरना बता रहा है कि यही चाल और ढाल बरकरार रही तो वो आने वाले लोकसभा चुनाव में एनडीए की डबल इंजन सरकार पर भारी पड़ सकते हैं। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। पिछली बार के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा था। मोदी की आंधी में आरजेडी एक भी लोकसभा सीट हासिल नहीं कर पाई थी।

2019 लोकसभा चुनाव में एनडीए को बिहार में 53 प्रतिशत वोट मिले और जेडीयू, बीजेपी और एलजेपी ने साथ मिलकर 39 लोकसभा सीटें जीत ली थी। लेकिन अब पांच साल से गंगा में काफी पानी बह चुका है। 2020 का विधानसभा चुनाव एनडीए की अंदरूनी आपसी कलह में बीता।

चिराग पासवान कथित हनुमान बनकर गठबंधन के बाहर से बीजेपी की मदद और जेडीयू का नुकसान करते रहे। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में जेडीयू की हैसियत सिमटकर महज 45 विधायकों की रह गई। बीजेपी ने वायदे के अनुसार नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री तो बनाया पर उनके समर्थक बीजेपी के कद्दावर नेता व कुशल प्रशासक सुशील मोदी को नीतीश से दूर कर दिया।

इससे असहज नीतीश कुमार ने बीच में ही एनडीए से अलग होकर आरजेडी, कांग्रेस व लेफ्ट के साथ मिलकर महागठबंधन की सरकार का मुख्यमंत्री बन जाना पसंद किया। साथ ही विपक्ष की ओर से बीजेपी को केंद्र से हटाने की व्यूह रचना बनाने में मशगूल हो गए। मौजूदा इंडिया गठबंधन की अवधारणा नीतीश कुमार की ही बनाई हुई है। मगर इंडिया गठबंधन के धुअंधरों के बीच अपनी दाल नहीं गलती देख वह सत्रह महीनों बाद एनडीए में लौट आए हैं।

जेडीयू के अचानक छोड़ जाने से बिहार में सदमे में फंसे इंडिया गठबंधन की लोकसभा सीटों की उम्मीदवारी का मसला अभी सुलझा नहीं है। लेकिन तेजस्वी की सक्रियता को लेकर साफ लग रहा है कि उनकी पार्टी अब मजबूत दावेदार होगी। कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश की तरह ही बिहार में भी सीमित सीटों पर चुनाव लड़कर संतोष करना होगा। पिछली बार की तरह इस बार राजद को शून्य लोकसभा सीट तक समेट देना एनडीए के लिए मुश्किल होगा।

एनडीए में अंदरूनी तकरार बढ़ाने के लिए तेजस्वी ने अपनी सभाओं में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव कराने की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चाहत का बखान भी कर रहे हैं। नीतीश के पुराने सिपहसालार और नए प्रतिद्वंदी तेजस्वी यादव होशियारी से बता रहे हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीजेपी के साथ इस शर्त पर गए हैं कि लोकसभा के साथ ही विधानसभा का भी चुनाव करा दिया जाए। नीतीश अब एनडीए में रहकर ही लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव लड़कर अपने पिछले नुकसान की भरपाई करना चाहते हैं।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल सितंबर 2025 तक है। ऐसे में विधानसभा का डेढ़ साल का कार्यकाल बचा है। भला कोई विधायक बिला वजह इतना पहले दोबारा चुनाव के लिए जनता के बीच जाने की जहमत क्यों उठाना चाहेगा। मगर तेजस्वी का कहना है कि समय पूर्व विधानसभा चुनाव कराने के इरादे से ही महीने भर से नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमंडल के विस्तार को निलंबित कर रखा है।

राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ इस बार 17 महीने तक चुपचाप सरकार चला कर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने जो विश्वास बहाल किया है वह पिछले मौकों पर संभव नहीं हो पाया था। पाला बदल के लिए बदनाम नीतीश कुमार ने तीन बार लालू प्रसाद की आरजेडी के साथ मिलकर सरकार चलाई है और तीनों ही बार विपक्ष के मौजूदा नेता तेजस्वी यादव उनकी सरकार के उपमुख्यमंत्री रहे हैं।

'PM के एलान का था इंतजार...'; अंतरिक्ष यात्री प्रशांत से शादी की बात 40 दिन छिपाने पर बोलीं एक्टर लीना

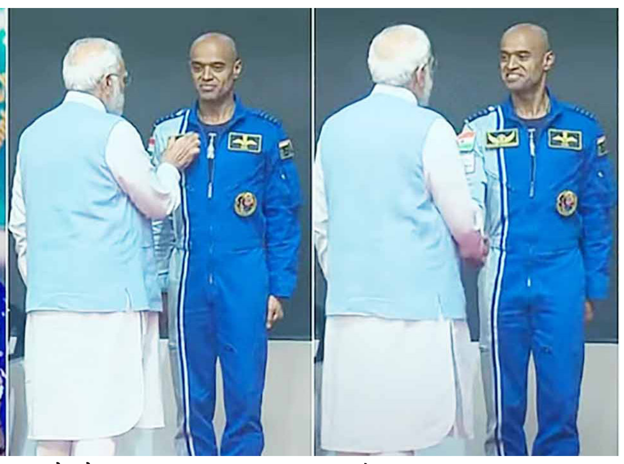

तिरुवनंतपुरम। मलयालम अभिनेत्री लीना ने अंतरिक्ष यात्री प्रशांत नायर से शादी के 40 दिन बाद इस बात को सार्वजनिक किया। लीना ने बताया कि उन्हें पीएम मोदी की घोषणा का इंतजार था। बकौल लीना वे और प्रशांत नायर बीते 17 जनवरी को हमसफर बन चुके हैं, लेकिन उन्होंने तय किया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसरो और वायुसेना के संयुक्त अभियान मिशन गगनयान के लिए औपचारिक एलान करेंगे, तभी अपनी शादी की बात सार्वजनिक करेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने मंगलवार को केरल में एक कार्यक्रम के दौरान प्रशांत और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को मिशन के लिए चुने जाने की शुभकामनाएं दीं।

विज्ञापन

कौन हैं चारों अंतरिक्ष यात्री

केरल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने गगनयान मिशन की तैयारियों की समीक्षा की। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने मिशन पर जाने वाले चारों भारतीयों से पीएम मोदी की मुलाकात कराई।

प्रधानमंत्री ने उनके सीने पर बैच लगाकर सम्मानित किया।

भारत के पहले मानवयुक्त मिशन गगनयान में यात्रा के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्रियों में ग्रुप कैप्टन प्रशांत नायर के अलावा वायुसेना के ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला भी शामिल हैं। इस कार्यक्रम में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री वी मुरलीधरन भी मौजूद रहे।

मणिपुर में बढ़ा तनाव, सेना बुलाई गई; असम राइफल की चार कॉलम तैनात

इंफाल। मणिपुर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अपहरण के बाद तनाव और बढ़ गया है। जिसके बाद सेना को बुलाया गया है। इतना ही नहीं, इंफाल पूर्वी जिले में असम राइफल की चार कॉलम भी तैनात करनी पड़ी है। गौरतलब है कि मैतेई समूह अरामबाई तेंगगोल के कैडरों ने पुलिस अधिकारी को उनके घर से अगवा किया था।

अधिकारियों ने बताया कि अगवा किए गए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित कुमार मणिपुर पुलिस के ऑपरेशन विंग में तैनात हैं। अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस अधिकारी को मुक्त करा लिया। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है।

घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार शाम सात बजे पुलिस अधिकारी को अगवा किया गया। अरामबाई तेंगगोल के कैडरों ने इंफाल पूर्व में कुमार के घर पर हमला किया और अंधाधुंध फायरिंग की। कुमार ने वाहन चोरी के मामले में इस समूह के छह लोगों को गिरफ्तार किया था, जिसकी वजह से उन पर हमला किया गया।

सार सुर्खिया

सुदूर जल क्षेत्रों में मछली पकड़ने वाले देशों पर कार्रवाई की मांग, WTO की बैठक में भारत ने कही यह बात

अबू धाबी। विश्व व्यापार संगठन वार्ता सत्र के दौरान भारत ने सुदूर जल में मछली पकड़ने वाले देशों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। भारत ने सुदूर जल क्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए सब्सिडी पर कम से कम 25 साल की रोक लगाने की भी अपील की है।

बैठक के दौरान भारत ने यह भी कहा कि घरेलू मछुआरे मछली पकड़ने के लिए स्थायी प्रथाओं का पालन करते हैं। इस क्षेत्र पर किसी भी समझौते में मछली पकड़ने वाले समुदाय के हितों और कल्याण को ध्यान में रखना चाहिए, जो समुद्री संसाधनों पर निर्भर है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत ने सदस्यों से कम से कम 25 वर्षों की अवधि के लिए अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) से परे मछली पकड़ने या मछली पकड़ने से संबंधित गतिविधियों के लिए दूरस्थ जल क्षेत्रों में मछली पकड़ने वाले देशों द्वारा सब्सिडी पर रोक लगाने का आग्रह किया।

भारत ने कहा कि सदस्यों को टिकाऊ मछली पकड़ने और समुद्री संसाधनों के प्रबंधन पर बड़े पैमाने पर सब्सिडी के हानिकारक प्रभावों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। गौरतलब है कि किसी देश के समुद्री तटों से 200 सुमद्री मील से अधिक दूर मछली पकड़ने को दूरस्थ जल मछली पकड़ना कहा जाता है।

भारत ने बैठक में मत्स्य पालन सब्सिडी पर कोई भी व्यापक समझौता सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं (सीबीडीआर-आरसी) के सिद्धांतों पर बनाया जाना चाहिए भारत ने बताया कि अधिक क्षमता और अधिक मछली पकड़ने (ओसीओएफ) से निपटने के मौजूदा दृष्टिकोण में गहरी खामियां हैं। नॉर्वे, चीन, जापान और अमेरिका जैसे देश दूर दराज के जल क्षेत्र में मछली पकड़ने का काम करते हैं और अपने मछली पकड़ने वाले समुदाय को भारी सब्सिडी देते हैं।

बर्खास्त विदेश मंत्री किन गैंग का चीन की संसद से इस्तीफा, लंबे समय से लापता रहने की वजह से हटाए गए थे

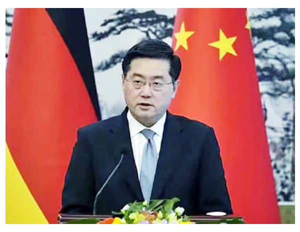

बीजिंग। चीन के बर्खास्त विदेश मंत्री किन गैंग ने लंबे समय तक जनता की नजरों से दूर रहने के बाद संसद से इस्तीफा दे दिया। गौरतलब है कि चीन के पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग, जो पिछले साल अनौपचारिक रूप से बर्खास्त किए जाने के बाद लापता हो गए थे।

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) की स्थायी समिति ने मंगलवार को अपना सत्र खत्म कर एक बयान में कहा कि तियानजिन म्यूनिसिपल पीपुल्स कांग्रेस ने आगामी वार्षिक संसदीय सत्र में एक प्रतिनिधि के रूप में किन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के एजेंडे की नियमित मंजूरी के लिए नेशनल पीपुल्स कांग्रेस को चीन की रबर स्टैंप संसद माना जाता है, जिसका वार्षिक सत्र पांच मार्च को शुरू होने वाला है।

नेशनल पीपुल्स कांग्रेस के बयान में कहा गया है कि किन को बर्खास्त या निष्कासित नहीं किया गया है, बल्कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी विश्वासपात्र माने जाने वाले 57 वर्षीय किन को सात महीने के कार्यकाल के बाद जुलाई में एक बड़े राजनीतिक आश्चर्य में बर्खास्त कर दिया गया था। यह पहली बार है जब किन का नाम एनपीसी से उनके इस्तीफे के रूप में सामने आया।

देश की रॉकेट मिसाइल फोर्स का नेतृत्व करने वाले ली को पहले अक्टूबर में बिना किसी आधिकारिक स्पष्टीकरण के रक्षा मंत्री और राज्य पार्षद के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। उनके निष्कासन के बाद चीन की सेना का एक बड़ा सफाया हुआ, जिसमें देश के रॉकेट फोर्स के वरिष्ठ अधिकारियों समेत पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नौ वरिष्ठ जनरलों को दिसंबर में संसद से बर्खास्त कर दिया गया था।

जयशंकर और थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री के बीच बैठक, देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने पर जोर

नई दिल्ली। 10वीं भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग की बैठक में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने और विस्तार देने पर चर्चा की गई है। रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, कनेक्टिविटी, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच रिश्तों को बढ़ाने को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर और पर्णप्री बहिधा नुकारा के बीच बैठक हुई।

दोनों देशों के बीच संबंध को प्रगाढ़ करने पर चर्चा

थाईलैंड के उप प्रधानमंत्री बहिधा नुकारा 25 से 28 फरवरी तक भारत की यात्रा पर हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, कनेक्टिविटी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, संस्कृति और लोगों से लोगों के बीच सहयोग बढ़ाने और कई क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा की।

भारत-थाईलैंड के संबंधों को नई ऊंचाई देने पर जोर

विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने नई दिल्ली की एक्ट ईस्ट पॉलिसी और बैंकॉक की एक्ट वेस्ट पॉलिसी के बीच तालमेल को देखते हुए भारत-थाईलैंड साझेदारी को मजबूत करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसमें कहा गया है कि जयशंकर और बहिधा-नुकारा ने आपसी हित के क्षेत्रीय और बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया, उन्होंने विशेष रूप से आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ) के ढांचे के भीतर उप-क्षेत्रीय, क्षेत्रीय और बहुपक्षीय प्लेटफार्मों पर सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

बैठक में जयशंकर ने इंडो-पैसिफिक महासागर पहल (आईपीओआई) के समुद्री पारिस्थितिकी का सह नेतृत्व करने के थाईलैंड के फैसले का स्वागत किया। भारत ने एक सुरक्षित समुद्री डोमेन बनाने के लिए प्रयास करने के लिए 2019 में आईपीओआई लॉन्च करने की घोषणा की। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों मंत्रियों ने पहल को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के अपने संकल्प लिया गया।

चुनाव आयोग जल्द जारी करेगा राष्ट्रपति चुनाव का कार्यक्रम, आसिफ अली जरदारी दौड़ में सबसे आगे

इस्लामाबाद। चुनाव आयोग (ईसीपी) एक मार्च को राष्ट्रपति चुनाव का कार्यक्रम जारी कर सकता है, जिसमें पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के आसिफ अली जरदारी की जीत लगभग तय है। पाकिस्तानी मीडिया की खबरों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, 29 फरवरी को एक निर्वाचक मंडल का गठन किया जाएगा, जो कि राष्ट्रपति चुनाव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बाद ईसीपी एक मार्च को राष्ट्रपति के चुनाव का आधिकारिक कार्यक्रम और सार्वजनिक नोटिस जारी करेगा।

समा टीवी ने ईसीपी के प्रवक्ता के हवाले से कहा, सभी चार प्रांतीय विधानसभाएं 29 फरवरी तक अस्तित्व में आएंगी और फिर राष्ट्रपति चुनाव के लिए जरूरी निर्वाचक मंडल के गठन का काम पूरा हो जाएगा।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता शहबाज शरीफ के नेतृत्व में केंद्र में नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए छह पक्षीय गठबंधन तैयार है। पीएमएल-एन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपी) के आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। जरदारी इससे पहले सितंबर 2008 से 2013 तक देश के राष्ट्रपति रह चुके हैं।

आठ फरवरी को हुए चुनाव के त्रिशंकु परिणाम सामने आए थे। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। जिसके बाद पीएमएल-एन और पीपीपी ने गठबंधन बनाने का फैसला किया। यह गठबंधन इस शर्त पर बना कि पीपीपी के आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति का पद मिलेगा। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज को पंजाब प्रांत का मुख्यमंत्री पद मिलेगा।

संविधान के अनुच्छेद 41 के मुताबिक राष्ट्रपति का चुनाव आम चुनाव संपन्न होने के तीस दिनों के भी होना चाहिए।

आठ फरवरी को आम चुनाव हुए थे। इसका मतलब 9 फरवरी से पहले राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। डॉन अखबार की एक खबर में पहले कहा गया था कि ईसीपी राष्ट्रपति चुनाव नौ या दस मार्च को आयोजित करने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री सुक्खू की नाक तले से 6 टछअ को ले गई हरियाणा पुलिस, क्या यह ऑपरेशन लोटस की आहट?

हिमाचल प्रदेश। राज्यसभा चुनाव में 'ऑपरेशन लोटस' की पटकथा लिखी गई है। हैरानी की बात है कि मुख्यमंत्री सुक्खू की नाक तले से छह विधायकों को हरियाणा पुलिस, पंचकुला ले जाती है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने खुद यह खुलासा किया है। उन्होंने हरियाणा पुलिस के साथ सीआरपीएफ के होने की बात भी कही।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस इस प्रकरण को समझ नहीं सकी। 'ऑपरेशन लोटस' की पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी थी। हिमाचल प्रदेश की पुलिस और इंटेलिजेंस इकाई को यह नहीं मालूम चल सका कि छह विधायक, पंचकुला के लिए रवाना हो गए हैं। रात को इन विधायकों के वापस शिमला लौटने की बात सामने आई।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व सीएम जयराम ठाकुर, उत्साह में हैं। उन्होंने इस सारे प्रकरण में अपने केंद्रीय नेतृत्व को बधाई दे डाली। ठाकुर ने सुक्खू सरकार को अल्पमत में बता दिया है। सूत्रों ने बताया कि सोमवार को इस बाबत सभी तैयारियां कर ली गई थी। जयराम ठाकुर और हर्ष महाजन को यह मालूम था कि कौन से विधायक कमजोर कड़ी हैं। कांग्रेस विधायकों के अलावा निर्दलीय विधायकों से संपर्क कर लिया गया था। ऐसा भी नहीं था कि ये भनक मुख्यमंत्री सुक्खू को नहीं थी। सोमवार को मुख्यमंत्री के डिनर में वे सभी 9 विधायक शामिल थे, जिन्होंने राज्यसभा चुनाव में भाजपा का साथ दिया है। इनमें से कांग्रेस के छह विधायक और तीन निर्दलीय विधायक हैं।

राज्यसभा चुनाव की वोटिंग के दौरान उनकी चिंता साफ दिखाई पड़ रही थी। मंगलवार सुबह सुक्खू को यह पुख्ता रिपोर्ट मिल चुकी थी कि राज्यसभा चुनाव में खेला होगा। हालांकि उन्हें ऐसी उम्मीद नहीं थी कि छह विधायक पार्टी के साथ धोखा करेंगे। दोपहर तक सुक्खू को यह नहीं पता चला कि हरियाणा पुलिस, शिमला पहुंच चुकी है। हिमाचल पुलिस और उसकी इंटेलिजेंस इकाई यह मालूम नहीं कर सकी कि कांग्रेस के छह विधायक, पंचकुला के लिए रवाना हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश एक पहाड़ी राज्य है। वहां पर मैदानी भागों की तरह सड़कों का जाल नहीं बिछा रहता है। शिमला की तरफ से चंडीगढ़ जाने वाले राजमार्ग के माध्यम से ये विधायक पंचकुला पहुंचे थे। सुक्खू की पुलिस उन्हें रोक नहीं सकी।

बता दें कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के 40 विधायक हैं। राज्यसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की तरफ से यह दावा किया गया था कि उसे प्रदेश के तीन निर्दलीय विधायकों का समर्थन भी हासिल है।

68 सदस्यों वाली हिमाचल प्रदेश विधानसभा में भाजपा के 25 विधायक हैं। इसके बावजूद प्रदेश की एक राज्यसभा सीट के लिए हुए चुनाव में कांग्रेस पार्टी एकजुट नहीं रह सकी।

'ममता सरकार जानती है शाहजहां शेख कहां है'; सीतारमण ने पश्चिम बंगाल सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल सरकार को अच्छी तरह से पता है कि संदेशखाली मामले में भगोड़ा तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहां शेख कहां छिपा है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल ने सात दिनों के भीतर उसकी गिरफ्तारी का दावा किया है, इससे जाहिर है कि सरकार को पता है।

सीतारमण ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, जब मैं संदेशखाली और उसके अपराधों और आज तक अपराधी को गिरफ्तार न करने के राज्य प्रशासन के दुस्साहस के बारे में बात करती हूं तो मेरा शरीर कांप उठता है। क्या कोई नेतृत्व इसे सहन कर सकता है? वे (टीएमसी) मणिपुर में हिंसा के बारे में बहुत मुखर थे। केंद्रीय गृह मंत्री ने स्वयं वहां जाकर लोगों से बात की और तत्काल कार्रवाई की गई।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, और हमें यहां जो बयान मिलता है, वह यह है कि अपराधी को एक सप्ताह के भीतर गिरफ्तार कर लिया जाएगा?

काकर ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में कामकाज रोका, बोले- अब नई गठबंधन सरकार देगी फाइल को मंजूरी

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान आवामी पार्टी के नेता अनवर-उल-हक काकर ने मंगलवार को कार्यवाहक प्रधानमंत्री के रूप में अपना आधिकारिक कामकाज रोक दिया दिया। कई फाइल उनकी मंजूरी का इंतजार कर रहीं थीं, लेकिन उन्हें लौटा दिया गया है। सभी प्रमुख फैसले अब अगले महीने की शुरूआत में बनने वाली नई गठबंधन सरकार पर छोड़ दिए गए हैं।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के मुताबिक, काकर ने कहा कि सभी लंबित फैसले और प्रस्ताव अब नई सरकार के पास भेज दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा, हम अब नई सरकार के शपथ ग्रहण का इंतजार कर रहे हैं। हम बाद में नई सरकार की गतिविधियों और परियोजनाओं के बारे में जानकारी उपलब्ध कराएंगे। बलूचिस्तान के नेता काकर पिछले साल अगस्त में कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने थे।

इस बीच, सोमवार को नया संवैधानिक संकट तब खड़ा हो गया, जब राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने 29 फरवरी को नई नेशनल असेंबली के पहले सत्र को बुलाने के प्रस्ताव को कथित तौर पर खारिज किया। जिओ न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया था कि राष्ट्रपति अल्वी ने कार्यवाहक संसदीय मामलों के मंत्रालय के प्रस्ताव को खारिज किया और कहा कि सभी आरक्षित सीट को सत्र को बुलाने से पहले आवंटित किया जाएगा, जिसमें नेशनल असेंबली के नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे।

पंचकुला से शुरू हुआ 'मिशन हिमाचल', क्या महाराष्ट्र की तरह हिमाचल में भी कोई बनेगा 'एकनाथ शिंदे'

हिमाचल प्रदेश। सरकार गिरेगी या बचेगी यह बहुत हद तक बुधवार को पेश होने वाले बजट से स्पष्ट हो जाएगा। क्योंकि बजट के दौरान हिमाचल प्रदेश में सभी विधायकों का रहना बेहद जरूरी है। लेकिन हिमाचल की सियासत में इस वक्त नौ विधायकों के पंचकूला में होने की बात सामने आ रही है। सियासी जानकारों का मानना है अगर यह विधायक सदन में नहीं पहुंचते हैं तो हिमाचल प्रदेश की सरकार के अगले सात दिन बेहद कठिन हो सकते हैं। कहा यही जा रहा है कि अगर सियासी हालात बिगड़े तो इन्हीं सात दिनों में हिमाचल प्रदेश में सरकार भी गिर सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में चर्चा इस बात की भी हो रही है कि महाराष्ट्र में जो परिस्थितियां एमएलसी चुनाव के बाद हुई थी। ठीक वही स्थिति हिमाचल प्रदेश में राज्यसभा के चुनाव के बाद बनी है। इसी वजह से भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र की तरह हिमाचल में भी सरकार के अल्पमत में होने का शोर मचाना शुरू कर दिया है।

सियासी जानकारों की माने तो अगले सात दिन हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक तौर पर बड़े महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। दरअसल हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी पार्टी के कुछ विधायकों को सीआरपीएफ की अगुवाई में पंचकूला ले जाया गया है। जबकि हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंचकूला गए 6 सत्ता पक्ष के और तीन निर्दलीय विधायक ही हिमाचल प्रदेश की सरकार में बड़ी सेंधमारी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि इन छह विधायकों में ऐसे नेता भी हैं जो कि हिमाचल प्रदेश की सियासत में मजबूत पैठ भी रहते हैं। सियासी जानकार बताते हैं कि हिमाचल प्रदेश में बुधवार को बजट आना है। बजट तभी लाया जा सकेगा जब सभी विधायक मौजूद होंगे। ऐसे में अगर बुधवार को पंचकूला गए विधायक वापस नहीं आते हैं तो माना जाएगा कि हिमाचल की सरकार के लिए अगले सात दिन बेहद कठिन है।

राजनीतिक विश्लेषक नरेंद्र पठानिया कहते हैं कि अभी चर्चा इसी बात की हो रही है कि जो विधायक पंचकूला पहुंचे हैं उनके साथ कुछ अन्य विधायक भी जुड़ सकते हैं। ऐसे में अगर यह संख्या ज्यादा होती है तो निश्चित तौर पर हिमाचल प्रदेश की सरकार के लिए सबसे बड़ा संकट आ सकता है। पठानिया कहते हैं कि इसीलिए बुधवार का दिन हिमाचल प्रदेश हिमाचल प्रदेश की सियासत में बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक विधानसभा में विधायकों की संख्या कम रहने पर इस बात की संभावनाएं और मजबूत हो जाएगी की आने वाले दिनों में हिमाचल प्रदेश की सरकार गिर भी सकती है। इसके लिए संभव है कांग्रेस के ही बीच का कोई नेता महाराष्ट्र की तरह ही बतौर मुख्यमंत्री पेश हो। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि जिस तरीके से राज्यसभा चुनाव के परिणाम आए हैं उससे हिमाचल प्रदेश की सियासत में अचानक बड़ी तेजी से तब्दीलियां देखने को मिल सकती हैं।

योगी कैबिनेट की पांच महिला मंत्रियों ने अपने राजनीतिक सफर को किया साझा

लखनऊ। लखनऊ में आयोजित अमर उजाला संवाद में यूपी सरकार की मंत्रियों ने छठें सत्र में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य, माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, महिला कल्याण एवं बाल विकास राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला और ग्राम्य विकास राज्यमंत्री लक्ष्मी गौतम ने अपने अनुभव साझा किए।

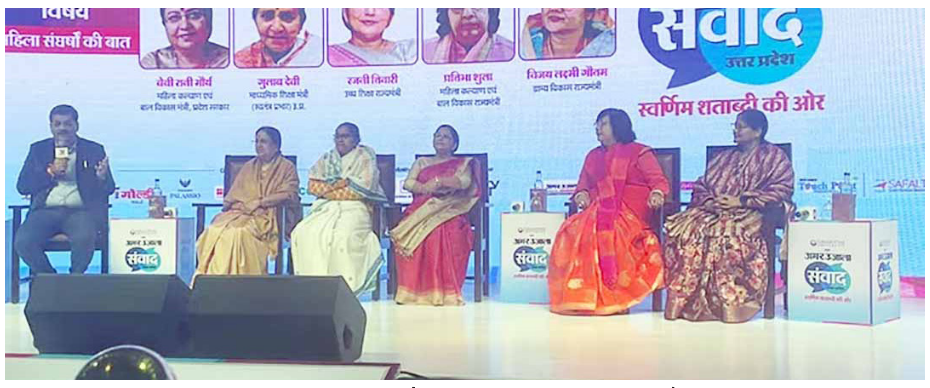

यूपी सरकार की मंत्री बेबी रानी मौर्य ने महिलाओं के राजनीति में आने पर कहा कि महिलाओं को राजनीति में भागीदारी करनी चाहिए। यह चुनौतीपूर्ण होता है पर मेरे सास और ससुर ने हमेशा मदद की है। कहा कि हमें बड़े सपने देखने चाहिए। महिलाएं राजनीति को बेहतर बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में महिलाओं का बहुत महत्व है। अगर आप अपने काम को पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ करती हैं तो उसका परिणाम जरूर मिलता है। बेबी रानी ने कहा कि हम लोग राज्यसभा चुनाव में जीत रहे हैं।

ग्राम्य विकास राज्यमंत्री लक्ष्मी गौतम ने कहा कि राजनीति करने में कठिनाई तो है पर संभल-संभल कर कदम बढ़ाती रही। अब पूरी सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही है। समाज में कठिनाइयां लड़कों के लिए भी हैं लड़कियों के लिए भी हैं।

प्रदेश की उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि राजनीति में सफल होने के लिए लक्ष्य होना चाहिए और जज्बा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगातार हर बार चुनाव जीता और काम करके दिखाया। यही कारण है कि 2012, 2017 और 2022 का चुनाव जीता।

महिला कल्याण एवं बाल विकास राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि भले ही शरीर अलग हो पर स्त्री व पुरुष दोनों की आत्मा एक है। महिलाओं के लिए राजनीति एक अच्छी जगह है। अगर आप किसी की मदद करना चाहते हैं तो ये एक बहुत अच्छा क्षेत्र है। महिलाओं की सफलता पर उनके चरित्र पर सवाल उठाना संस्कारों का अभाव है।

गोशाला में जहरीला चारा खाने के बाद छह गोवंश की तड़प-तड़पकर मौत, कई की हालत नाजुक, हड़कंप के बाद शिकायत

मेरठ। मेरठ के हस्तिनापुर में प्राचीन बूढ़ी गंगा किनारे स्थित पांडव विघ्नहर गोशाला में जहर मिला चारा खाने से करीब छह गोवंश तड़प-तड़प कर मर गए। कई की हालत नाजुक है। पशु चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर गोवंश की जांच की। गोशाला संचालक मित्रसेन प्रजापति ने थाने में दो लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है।

समाजसेवी मित्रसेन प्रजापति की प्राचीन कर्ण मंदिर के समीप बूढ़ी गंगा किनारे मुख्य मार्ग पर पांडव विघ्नहर गोशाला है। यह गोशाला पिछले दो साल से संचालित है। इसे वह अपने निजी खर्चे पर चलाते हैं। गोशाला में वर्तमान में करीब दो दर्जन निराश्रित गोवंश थे। मंगलवार की शाम गोवंश की चारा खाने के बाद तबीयत खराब हो गई। देखते ही देखते आधा दर्जन गोवंश की तड़प-तड़प कर मौत हो गई।

सूचना मिलते ही राजकीय पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार गिल टीम के साथ गोशाला पहुंचे।

पशु चिकित्सकों के प्रयास से दो गायों को सुरक्षित बचा लिया गया। गोशाला के प्रबंधक एवं संचालक मित्रसेन प्रजापति ने बताया कि सड़कों पर घूम रही निराश्रित गायों को आसरा देने के उद्देश्य से उन्होंने अपने माता-पिता को समर्पित गोआश्रय स्थल की स्थापना की थी।

वहीं, मंगलवार शाम गोवंश के चारे में किसी ने जहरीला पदार्थ मिला दिया। इससे करीब छह गायें मर गईं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। डॉक्टरों की टीम ने गायों के चारे के सैंपल लिए हैं, जिन्हें जांच के लिए भेजा जाएगा।

राजकीय पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार गिल ने बताया कि गोशाला में छह गायों की मौत फूड प्वाइजनिंग के कारण हुई है।

भीमराव आंबेडकर पार्क का बोर्ड लगाने पर दो पक्षों में बवाल, फायरिंग में 10वीं के छात्र की मौत

रामपुर। यूपी के रामपुर स्थित मिलक कोतवाली क्षेत्र के सिलईबड़ा गांव में मंगलवार को सरकारी जमीन पर डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क का बोर्ड लगाए जाने को लेकर दो पक्ष आमने सामने आ गए। इस दौरान जमकर फायरिंग व पथराव हुआ। फायरिंग में गोली लगने से परीक्षा देकर लौटे दसवीं के छात्र सुमेश की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग जख्मी हो गए। सीओ की गाड़ी भी पथराव की वजह से क्षतिग्रस्त हो गई।

ग्रामीणों का आरोप है कि छात्र की मौत पुलिस की गोली लगने से हुई है, जबकि एसपी ने इन आरोपों को निराधार बताया है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छात्र के शव को हंगामे के बीच कब्जे में ले लिया। साथ ही घायलों को उपचार के लिए भेजा है। गांव में तनाव बना हुआ है, अफसरों ने घटना स्थल पर डेरा डाल लिया है।

एसपी ने इस पूरे मामले की जांच के भी निर्देश दे दिए हैं।

मिलक क्षेत्र के सिलईबड़ा गांव में करीब 15 दिन पहले प्रशासन ने ग्राम समाज की जमीन से कब्जा हटवाया था। कब्जा हटने के बाद इस जमीन को खाली छोड़ दिया गया था। दलित वर्ग के कुछ लोग इस जमीन पर अंबेडकर पार्क बनाकर यहां पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा लगाना चाहते थे। सोमवार को कुछ लोगों ने जमीन पर अंबेडकर पार्क का बोर्ड लगाया तो इसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध किया। जिसको लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और दोनों ओर से फायरिंग व पथराव होने लगा।

सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में ही काफी देर तक फायरिंग व पथराव होता रहा।

वकील के फोन की फॉरेंसिक रिपोर्ट आने पर खुलेंगे पेपर लीक कांड के राज, पकड़े जाने से पहले डिलीट कर दिया था..

कानपुर। सिपाही भर्ती पेपर लीक मामले में अभ्यर्थियों को पेपर बेचने के आरोपी वकील आशीष सचान के फोन का पूरा डाटा रिकवर कर जल्द से जल्द हासिल करने के लिए गोविंदनगर पुलिस ने फॉरेंसिक ब्यूरो से संपर्क साधा है। पुलिस ने उन्हें प्राथमिकता के आधार पर वकील के फोन का जल्द से जल्द स्कैन कर उसका पूरा डाटा उपलब्ध कराने के लिए आग्रह किया है। पुलिस का कहना है कि वकील के फोन का डाटा मिलने पर इस पेपर लीक कांड के राज से पर्दा हट जाएगा।

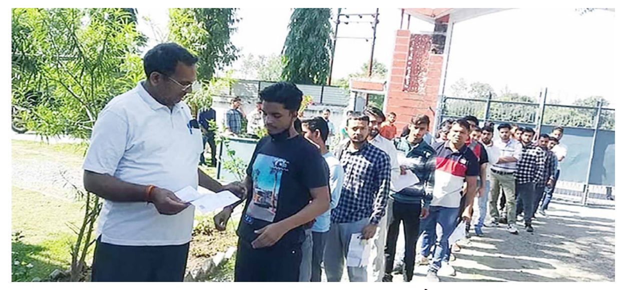

दरअसल, गिरफ्तार होने से पहले वकील आशीष ने पूरा फोन का उाटा डिलीट कर दिया था। इस वजह से पुलिस को भी पता नहीं है कि आखिर कितने लोगों को आरोपी वकील ने पेपर उपलब्ध कराए। इसके साथ ही घाटमपुर के जिस युवक ने वकील को पेपर मुहैया कराया था, उसकी और वकील के बीच और क्या क्या बात हुई और कब से दोनों पेपर लीक को लेकर बातचीत कर रहे थे, इसके लिए डाटा रिकवर होना जरूरी है। सूत्रों का कहना है कि डाटा रिकवर होने के बाद पुलिस वकील की पुलिस कस्टडी रिमांड लेकर पूछताछ करेगी और नई जानकारियां जुटाकर आगे जांच करेगी।

पुराने पेपर लीक में शामिल कोचिंग संस्थान एसटीएफ के निशाने पर

इधर, पेपर लीक मामले की जांच कर रही एसटीएफ काकदेव कोचिंग मंडी के उप पुराने कोचिंग संस्थानों के संचालकों की गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है, जिनका नाम पूर्व में हुई विभिन्न परीक्षाओं में शामिल रहे या उनका नाम सामने आया।

सार सुर्खिया

प्रॉक्टर कार्यालय के पास लगी आग, वाहनों के टायर जले

अलीगढ़। एएमयू परिसर में स्थित प्रॉक्टर कार्यालय के पास 27 फरवरी को आग लग गई। आग से वाहनों के टायर जल गए। एएमयू के सुरक्षा कर्मियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। पिछले दिनों कार्यालय के पास यूकेलिप्टस के पेड़ काटे गए थे, जहां लकड़ियां और सूखे पत्तों का ढेर लगा हुआ था। दोपहर अचानक लकड़ी और कूड़े में आग लग गई। इससे एएमयू के सुरक्षा कर्मियों में अफरा-तफरी मच गई। एएमयू के अधिकारियों ने कहा कि किसी राहगीर के बीड़ी या सिगरेट फेंकने से आग लगने का अंदेशा है। फायर ब्रिगेड को फोन लगाया, लेकिन फोन के व्यस्त जाने के चलते बात नहीं हो सकी। इस आग से दो वाहनों के टायर जल गए।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले - हमारे दोनों विधायकों ने गठबंधन धर्म निभाया

लखनऊ। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी के दोनों विधायकों ने गठबंधन धर्म निभाया। कांग्रेस का शत-प्रतिशत वोट सपा को गया है। हम आगे भी पूरी शिद्दत के साथ गठबंधन धर्म निभाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेताओं को निर्देश दिया गया है कि जहां भी गठबंधन के लोकसभा उम्मीदवार उतारे जा रहे हैं, उनके साथ पूरी तत्परता से लगें। कहा कि भाजपा तोड़फोड़ और छल में ही भरोसा करती है। कुछ विधायकों को लालच और डर दिखाकर अपने खेमे में किया गया है। यह राजनीति में गलत परंपरा है।

'अबला-सबला सी लगै, बरसाने की बाम...' विश्व प्रसिद्ध है नंदगांव की लठामार होली

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में खेली जाने वाली लठामार होली विश्व प्रसिद्ध है। अनुपम होली होत है लठ्ठन की सरनाम। अबला-सबला सी लगै, बरसाने की बाम...। लट्ठ धरे कंधा फिरे जबहि भगावत ग्वाल, जिमि महिषासुर मर्दिनी चलती रण में चाल। लठामार होली के लिए ये पंक्तियां यूं ही नहीं लिखी गई हैं। बरसाना की विश्व प्रसिद्ध होली में न केवल प्रेम और अनुराग है, बल्कि नारी सशक्तिकरण की छाप भी है। ढाल थामे हुरियारों पर जब हुरियारिनें प्रेम पगी लाठियां बरसाती हैं, तो ये नारी सशक्तिकरण का प्रतीक बनतीं हैं।

लठामार होली को लेकर बताया जाता है कि करीब 550 वर्ष पूर्व मुस्लिम शासकों के आतंक से परेशान ब्रज बालाओं को आत्मरक्षा के लिए ब्रजाचार्य नारायण भट्ट ने लाठी उठाने को कहा था। लठामार होली के बहाने महिलाओं ने कृष्णकालीन हथियार (लाठी) उठाकर अपने सम्मान की रक्षा की तैयारियां शुरू कर दीं।

दक्षता में दक्ष करने के उद्देशेय से शुरू हुई लठामार होली

नारायण भट्ट की प्रेरणा से ब्रजनारियों ने हाथों में लाठियां तो उठा लीं, लेकिन प्रहार किस पर करें यह यक्ष प्रश्न था। इसका भी समाधान निकाला गया कि लठ प्रहार अपने निकटस्थ पर ही किया जाए, क्योंकि अगर अपनों पर भी प्रहार करने में दक्षता हासिल हो गई तो दुश्मन पर प्रहार करना बेहद आसान होगा। लाख बार अनुपम बरसानो पुस्तक में भी श्रील हरिगोपाल भट्ट ने बरसाना की लठामार होली का वर्णन किया है। पुस्तक में उन्होंने बरसाना की हुरियारिनों की तुलना शक्ति स्वरूपा से की है।

नंदबाबा मंदिर के सेवायत एवं पूर्व प्रधानाचार्य रमेश चंद गोस्वामी बताते हैं कि लठामार होली नारी सशक्तिकरण का प्रतिनिधित्व करती है। नारियों को खुद अपनी रक्षा के लिए सक्षम करने के लक्ष्य के साथ होली में लठामार का समावेश किया गया। नारी को अबला से सबला बनाए जाने का पर्व ही लठामार होली है। इसमें पुरुष असहाय नजर आता है।

शुरू हो गई जेल चौपाटी, मिलेगा दाल-रोटी से लेकर बेड़ई जलेबी और भी बहुत कुछ; देखें आउटलेट का मेन्यू और रेट

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में जिला जेल के गेट पर मंगलवार को जेल चौपाटी शुरू हो गई। यहां कोई भी 50 रुपये में दाल, रोटी, चावल की थाली और टिफिन ले सकता है। 10 से 20 रुपये में चाय-नाश्ते की भी सुविधा है। इसमें बंदी ही भोजन तैयार करेंगे। आउटलेट पर पूर्व में रिहा हुए बंदियों को वितरण में लगाया जाएगा। उन्हें जेल प्रशासन की ओर से ही पारिश्रमिक और वेतन दिया जाएगा।

जेल चौपाटी का शुभारंभ कारागार मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने किया। जेल अधीक्षक हरिओम शर्मा ने बताया कि चौपाटी में सुबह 7 बजे से नाश्ते में पूड़ी, सब्जी, समोसा, बेड़ई, जलेबी, चाय व काफी मिलेगी। थाली और टिफिन की भी व्यवस्था रहेगी। इनमें चार रोटी, सब्जी, दाल, चावल, अचार, पापड़ रहेगा।

जेल थीम पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाया जा रहा है। इससे पहले

कानपुर नगर में फूड आउटलेट बनाया गया था। जिला जेल आगरा में ज्यादा लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। चौपाटी के संचालन में हिंदुस्तान कॉलेज के प्रो. नवीन गुप्ता, प्रो. अभिलाषा सिंह का सहयोग रहा। शुभारंभ के मौके पर जेलर बृज किशोर गौतम, उप जेलर सुनील कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

जिला जेल के अधीक्षक हरिओम शर्मा ने बताया कि जेल चौपाटी की स्थापना बंदी कल्याण एवं पुनर्वास योजना के तहत की गई है। इसमें जेल के बंदियों को ही रोजगार का अवसर दिया है। चार बंदी जेल में अंदर खाद्य सामग्री को तैयार करेंगे। भोजन परोसने के लिए रिहा हुए लोगों को लगाया है। सामान्य अपराध वाले चार से पांच बंदी का चयन किया गया है। पुलिस सत्यापन कराया जाएगा।

बैंक खाता खुलेगा, मिलेगा पारिश्रमिक

झूठी आन की खातिर खूनी संघर्ष, दो युवकों की मौत, घटना से पुलिस अफसरों में मचा हड़कंप

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में रतनपुरी थाना क्षेत्र के फुलत गांव में झूठी आन की खातिर अनुसूचित जाति के दो पक्षों में संघर्ष हुआ। दोनों तरफ से एक-एक युवक की मौत हो गई। दो लोग घायल हुए हैं। पुलिस जांच में जुटी है।

फुलत गांव निवासी अनुसूचित जाति के अंकित (26) पुत्र राजू ने करीब दस माह पहले पड़ोसी हरिमोहन की बेटी के साथ गांव से भागकर कोर्ट मैरिज कर ली थी। मंगलवार को अंकित अपनी पत्नी को लेकर पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आया था, इसकी जानकारी हरिमोहन पक्ष को मिल गई। देर शाम के गांव के बीच सठेड़ी मार्ग पर अंकित को हरिमोहन और उसके बेटे राहुल व रोहित ने घेर लिया। धारदार हथियार से वार कर और गोली मारकर अंकित की हत्या कर दी गई।

हमले की जानकारी दूसरे पक्ष को लगी तो वह भी मौके पर पहुंचे। कुछ ही दूर हरिमोहन और उसके बेटे को घेरकर हमला कर दिया, जिसमें तीनों गंभीर घायल हो गए। पुलिस और सैकड़ों ग्रामीण मौके पर पहुंचे। तीनों घायलों को खतौली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां रोहित को मृत घोषित कर दिया गया। दोनों गंभीर घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है।

पुलिस ने दबोचा तो गिड़गिड़ाने लगा शाहिद; 'साहब गलती हो गई, वह तो हमारे रहनुमा हैं'

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने एवं अशोभनीय भाषा का प्रयोग करने वाले गिरफ्तार आरोपी को पुलिस ने जेल भेज दिया। इस दौरान आरोपी ने अपनी गलती स्वीकारते हुए कहा कि साहब, उससे गलती हो गई, मोदी-योगी तो हमारे रहनुमा हैं।

सोशल साइट एक्स पर वायरल वीडियो में एक युवक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर अभद्र टिप्पणी कर रहा है। सोमवार शाम वायरल वीडियो को देख बजरंग दल व भाजपाई भड़क गए थे। बजरंग दल के विभाग सह संयोजक राघवेंद्र सिंह धाकरे उर्फ रघू धाकरे निवासी अधैत भवन ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए अभद्र टिप्पणी कर रहे आरोपी शाहिद उर्फ चमन निवासी नगला मस्जिद लाइनपार, टूंडला के विरुद्ध थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पुलिस ने आरोपी को देर शाम गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने मंगलवार को आरोप पत्र तैयार करते हुए उसे न्यायालय ले जाने लगी तो वह गिड़गिड़ाने लगा। पुलिस के अनुसार उसने कहा कि वह नशे में था, तभी कुछ लोगों ने उसे उकसा दिया था। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री देश के गौरव हैं।

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने व्यापारियों को दिलाया याद, कोल्हू की तरह पैसा खींचती थीं पूर्व सरकारें

अलीगढ़। पूरे विश्व में भारत की आर्थिक स्थिति सबसे मजबूत है। 27 फरवरी को आगरा रोड स्थित एक होटल में आयोजित भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के व्यापारी सम्मेलन में केंद्रीय राज्यमंत्री जनरल वीके सिंह ने उक्त बात कही।

वह बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले व्यापारी से कोल्हू की तरह पैसा खींचने का कार्य होता था। व्यापारियों को मिलने वाली सुविधाएं बहुत कम थीं। अब ऐसा नहीं है। दुनिया भर के देश भारत को अवसर के तौर पर देखते हैं। विदेशी निवेश में सरकार ने एक नया आयाम हासिल किया है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि देश के व्यापारी का विश्वास मोदी सरकार है। पूर्व की सरकारों पर हमला बोलते हुए कहा कि उस समय कारोबार-उद्योग बंद हो रहे थे। वर्ष 2014 के बाद मोदी सरकार ने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं लागू कीं। बैंकों की लोन प्रक्रिया को आसान किया गया है। जिससे कोई भी व्यक्ति आसानी से अपना कारोबार शुरू कर सकता है। उन्होंने कहा आज विश्व के 132 देश भारत में निवेश कर रहे हैं।

व्यापारी सम्मेलन

इस दौरान भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि पिछली सरकार में प्रदेश की सूरत बदहाल थी। व्यापारियों में भय का माहौल था।

बड़े उद्योगपति प्रदेश में निवेश करने से डरते थे। लेकिन योगी सरकार ने सरल और सहज माहौल दिया। अब प्रदेश में आपराधिक घटनाएं कम हो रहीं हैं। बड़े उद्योगपति यूपी में अपने उद्योगों को स्थापित करना चाहते हैं। महानगर अध्यक्ष इं. राजीव शर्मा ने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। मेयर प्रशांत सिंघल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी न होते तो राम मंदिर सपना ही रह जाता। भारत को टूरिस्ट हब बनाने के लिए प्रधानमंत्री प्रयासरत हैं।

इस मौके पर सांसद सतीश गौतम, लोकसभा संयोजक ठा. गोपाल सिंह, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ महानगर संयोजक जयगोपाल वीआईपी, विष्णु भैया, लोकसभा मीडिया कोऑर्डिनेटर भूपेंद्र वार्ष्णेय, मंडल अध्यक्ष पंकज वर्मा, प्रदीप सिंघल, पंकज अग्रवाल, प्रमोद सिंह, कौशल सिंह, संजय शर्मा, अजय शर्मा, सुशील मित्तल आदि मौजूद रहे।

गांधी पार्क बस अड्डे के स्थानांतरण को लेकर ज्ञापन सौंपा

व्यापारी नेता हेमंत गर्ग व पार्षद हरीश सैनी के नेतृत्व में केंद्रीय राज्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कहा गया है कि कुछ दिनों पहले रोडवेज बस अड्डे के संचालन को बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया।